G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

रेलटेल RAILTEL

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रेलटेल प्रगति

वार्षिकांक

अंक 7

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम

ऑफिस ब्लॉक, टोअर 2, छठा तल, प्लेट-ए, एनबीसीसी बिल्डिंग, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली-110023

वेबसाइट: www.railtelindia.com

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा रेलटेल क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता का निरीक्षण दिनांक 16.11.2022

रेलटेल प्रगति

सातवां अंक

संरक्षक
श्री संजय कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रधान संपादक
श्रीमती रुचिरा चटर्जी
महाप्रबंधक/प्रशासन, सुरक्षा एवं विपणन

संपादक
श्रीमती मेघना अग्रवाल
सहायक महाप्रबंधक/मानव संसाधन

श्री विजय कुमार सक्सेना
वरिष्ठ प्रबंधक/राजभाषा

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम

ऑफिस ब्लॉक टॉवर-2, छठा तल, प्लेट-ए,
एनबीसीसी बिल्डिंग, पूर्वी किदवई नगर
नई दिल्ली-110023
दूरभाष: 011-22900600
फैक्स: 011-22900699
www.railtelindia.com

मुख्य पृष्ठ चित्र

- संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति की माननीय संयोजक डॉ. (श्रीमती) रीता बहुगुणा जोशी, माननीय सदस्य श्री मनोज तिवारी द्वारा रेलटेल, कोलकाता कार्यालय का निरीक्षण।
- रेलटेल ने अपनी आईसीटी और डिजिटल परिवर्तन परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार एवं राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के अधिकारीगण।
- रेलटेल ने साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (SAFA) अवार्ड, इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस डिस्क्लोजर 2021 के लिए योग्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए निदेशक/वित्त श्री वी. राम मनोहर राव, कार्यकारी निदेशक श्री एच.सी. बत्रा एवं महाप्रबंधक/वित्त श्रीमती मधुलिका पाठक।

विषय सूची

1.	संरक्षक की कलम से	3
2.	प्रधान संपादक की कलम से. . .	4
3.	रेलटेल के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार	5
4.	रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता में राजभाषा पखवाड़ा की गतिविधियां	6
5.	रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की राजभाषा गतिविधियां	9
6.	रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की गतिविधियां	11
7.	रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की उपलब्धियां	14
8.	रेलटेल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन	15
9.	ग़ज़ल	16
10.	रेलटेल सदस्यों की 22वीं वार्षिक आम सभा का आयोजन	17
11.	रेलटेल ने 23वां स्थापना दिवस मनाया।	19
12.	रेलटेल में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन	20
13.	विजय दशमी (दशहरा)	21
14.	कागज़ के किरदार	21
15.	रेलटेल द्वारा आधार प्रमाणीकरण सेवाएं	22
16.	रेलटेल पश्चिमी क्षेत्र की उपलब्धियां	24
17.	जीवन में खुश रहने की कला	26
18.	समय की धारा	31
19.	रेलटेल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत चलाई जा रही योजनाओं की झलक	32
20.	आजादी का अमृत महोत्सव	34
21.	कोख़ या कब्र	34
22.	रेलटेल, दक्षिणी क्षेत्र, सिकंदराबाद की उपलब्धियां	35
23.	बीभू, पोंगल, मकर संक्रांति में खिचड़ी का महत्व	37
24.	सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी)	38
25.	योग हमे अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।	39
26.	रिटेल निवेशकों के लिए वैकल्पिक निवेशके अवसर	40
27.	यह समय गुजर जाएगा	42
28.	रेलटेल उत्तरी क्षेत्र—चंडीगढ़ टेरिटरी : एक झलक एवं विशिष्ट उपलब्धियां	43
29.	रेलटेल, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन	45
30.	विदाई	46
31.	'कु-शासित लंका'	47
32.	अहिंसा	48
33.	अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली	50
34.	गाड़ी बुला रही है....	51
35.	रेलटेल 6,100 से अधिक रेलवे स्टेशनों को कवर करने वाली वाई-फाई परियोजना का मोनिटाइज़ करेगा	54
36.	इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित एक्सप्रेस कंप्यूटर कार्यक्रम में रेलटेल को डेटा सेंटर चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया	55
37.	रेलटेल ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 में एक प्रभावशाली स्टाल लगाया	56
38.	रेलटेल ने एमपीएलएस-वीपीएन कनेक्टिविटी कार्य के लिए एसईसीएल से ऑर्डर प्राप्त किया	57
39.	रेलटेल को डन एंड ब्रैडस्ट्रीट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया	57
40.	राजभाषा अधिनियम/नियम के अनुपालन की स्थिति	58
41.	राजभाषा नियम 1976	59
42.	राजभाषा पखवाड़ा-2022 के दौरान रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित राजभाषा प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों की सूची	60

(नोट- पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं, सरकार अथवा रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रेलटेल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा

किसी भी समय-कहीं से भी जुड़े।

- पूर्णत: प्रबंधित हाई डेफिनेशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग। (टेलीप्रेसेंस सेवाएं)
- झंझट रहित आईटी उपकरण प्रबंधन
- वर्चुअल फेस टू फेस मीटिंग का अनुभव।
- यात्रारहित मीटिंग ।

उपयोग में आसान	ऑन कॉल आईटी सपोर्ट	ओपेक्स आधारित मॉडल
कई प्लेटफार्मों का समर्थन।	पैन इंडिया एमपीएलएस बैकबोन कनेक्टिविटी।	तकनीकी अपग्रेडेशन सहित।

रेलटेल
RAILTEL

www.railtelindia.com

यात्रा समय और लागत बचाएं- कार्बन फुटप्रिंट कम करें।

पर्यावरण के अनुकूल बनें

संजय कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Sanjai Kumar
Chairman & Managing Director

हिंदी से सारे भारत का एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

संरक्षक की कलम से...

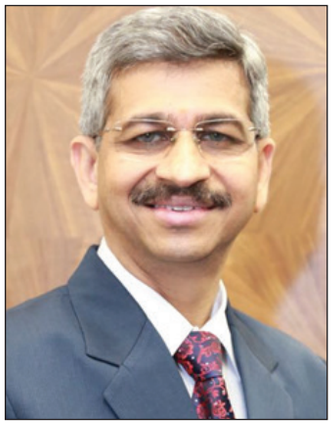

बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि रेलटेल के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा पत्रिका "रेलटेल प्रगति" के 7वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

रेलटेल ने अपने व्यवसायिक लक्ष्यों के प्राप्त करने के लिए किए गए सभी प्रयासों के साथ-साथ राजभाषा के कार्यान्वयन, प्रयोग-प्रसार में भी बहुत ही उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करके सफलता की ऊंचाईयों को प्राप्त किया है।

रेलटेल, पूर्वी क्षेत्र के कोलकाता कार्यालय का माननीय संसदीय राजभाषा समिति के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन, प्रयोग-प्रसार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के साथ रेलटेल, पूर्वी क्षेत्र के कोलकाता कार्यालय को 23 अन्य केन्द्रीय सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के समन्वय का कार्य भी माननीय समिति द्वारा सौंपा गया जिसे हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बखूबी निभाया तथा संयोजक, संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने रेलटेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा एवं सराहना अपने पत्र के माध्यम से की है। मैं उक्त कार्य से जुड़े हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

पब्लिक रिलेशन काउंसिल ऑफ इंडिया ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिकाओं के दिए जाने वाले पुरस्कार की योजना के अंतर्गत राजभाषा पत्रिका "रेलटेल प्रगति" को "रजत पदक" से सम्मानित किया गया है। इसके लिए राजभाषा विभाग को बहुत-बहुत बधाई।

रेलटेल ने व्यवसायिक गतिविधियों के अलावा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं तथा इनका बहुत ही सफलता पूर्वक निर्वहन भी किया है।

इस अंक में रेलटेल कॉर्पोरेट, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं टेरिटरियों में आयोजित राजभाषा कार्यकलापों, रेलटेल की व्यवसायिक गतिविधियां, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लेख, कविताओं आदि को प्रकाशित किया गया है।

मैं इस अवसर पर रेलटेल परिवार के कर्मियों को बधाई देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि रेलटेल परिवार के सदस्य भारत सरकार के राजभाषा के संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजभाषा हिंदी में कार्य करके देश का गौरव बढ़ाएँगे।

(संजय कुमार)

रुचिरा चटर्जी
मुख्य राजभाषा अधिकारी
महाप्रबंधक
(प्रशासन, सुरक्षा एवं विपणन)
Ruchira Chatterjee
Mukhya Rajbhasha Officer
General Manager
(Admin, Security & Marketing)

गर्व है हमें हिंदी पर, शान हमारी हिंदी है, कहते-सुनते हिंदी हम, पहचान हमारी हिंदी है।

प्रधान संपादक की कलम से...

"रेलटेल प्रगति" के 7वें अंक को सौंपते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। रेलटेल प्रगति का प्रकाशन प्रत्येक छमाही में किया जाता है। इस अंक में वर्ष 2022 के दौरान उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य किए गए हैं।

रेलटेल के चेन्नई, सिकंदराबाद एवं कोलकाता कार्यालयों का माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के सदस्यों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन का निरीक्षण किया गया। माननीय समिति द्वारा रेलटेल कार्यालयों में किए जा रहे हिंदी कार्यों एवं सहयोग की प्रशंसा एवं सराहना की गई। संयोजिका, माननीया डा. (श्रीमती) रीता बहुगुणा जोशी ने रेलटेल के निरीक्षित कार्यालयों एवं कॉर्पोरेट कार्यालय के राजभाषा से जुड़े अधिकारियों की प्रशंसा अपने पत्र के द्वारा भी की है। वर्ष के दौरान पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दिए जाने वाले श्रेष्ठ संयोजन पुरस्कार के अंतर्गत "रेलटेल प्रगति" पत्रिका को रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा दिसबंर-2022 को समाप्त छमाही अवधि की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली उपक्रम-1 के बैठक में रेलटेल की पत्रिका "रेलटेल प्रगति" को श्रेष्ठ गृह पत्रिका का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया, जो हमारे लिए गर्व की बात है।वर्ष के दौरान हिंदी कार्यशाला के निर्धारित लक्ष्य 04 की तुलना में 07 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

इसी के साथ रेलटेल ने महान साहित्यकार एवं स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद की जयंती का भी आयोजन किया। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जैसे नुक्कड नाटक, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया गया। कॉर्पोरेट कार्यालय सहित रेलटेल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों/टेरिटरी में 74वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। कॉर्पोरेट कार्यालय में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा ध्वजारोहण किया गया। रेलटेल में राजभाषा पखवाड़ा -2022 एवं स्वच्छता पखवाड़ा का भी आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, वाद-विवाद एवं राजभाषा प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी के साथ वर्ष के दौरान हिंदी में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

रेलटेल में पहली बार ने हिंदी में सराहनीय एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं टेरिटरियों के लिए राजभाषा शील्ड की शुरूआत की गई। हिंदी में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने के लिए प्रथम " रेलटेल राजभाषा शील्ड" रेलटेल पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता को प्रदान की गई।

रेलटेल प्रगति में प्रकाशित राजभाषा, व्यवसायिक गतिविधियां, उपलब्धियां, लेख, कविताएं, आदि को समायोजित किया गया है, आशा है आपको पसंद आएगा।

पत्रिका को और रुचिकर बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों का स्वागत है।

रुचिरा चटर्जी

(रुचिरा चटर्जी)

रेलटेल के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार

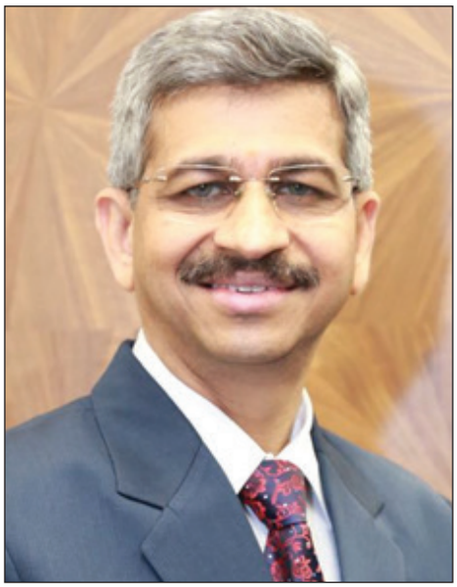

श्री संजय कुमार ने दिनांक 23.09.2022 से रेलटेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाला। उनके पास निदेशक/पीओएम का अतिरिक्त प्रभार भी है। इससे पहले श्री कुमार रेलटेल के निदेशक (नेटवर्क योजना और विपणन) और (परियोजना, संचालन और रखरखाव - अतिरिक्त प्रभार)) की जिम्मेदारियों को निभा रहे थे। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और 1992 में भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर सेवा (आईआरएसएसई) में शामिल हुए। पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) में विभिन्न क्षमताओं में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने तत्कालीन पूर्वोत्तर रेलवे के समस्तीपुर, सोनपुर और वाराणसी डिवीजनों में 50 से अधिक स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग को चालू करने सहित ट्रेन संचालन, योजना और सिगलनिंग सिस्टम के निर्माण के क्षेत्रों में कार्य किया। उन्होंने प्रतिष्ठित प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई) गुरुग्राम से प्रबंधन में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम) किया है। अपनी पीजीडीएम पूरी करने के कुछ समय बाद, वह 2008 में समावेशन से पहले प्रतिनियुक्ति पर 2002 में रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में शामिल हो गए। रेलटेल के प्रारंभिक वर्षों से जुड़े होने के कारण, उनके पास स्क्रैच से एक संगठन बनाने का बहुमूल्य अनुभव है। उन्होंने एनआईसी के साथ जुड़ने के दौरान राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेलटेल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई !

पूर्वी क्षेत्र

रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता में राजभाषा पखवाड़ा की गतिविधियां

रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता में 14 सितंबर 2022 से 28 सितंबर 2022 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन 14 सितंबर 2022 को क्षेत्रीय महाप्रबंधक/रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र/कोलकाता द्वारा किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिंदी कार्यशाला का आयोजन, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता और हिंदी टिप्पण लेखन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

उपरोक्त प्रतियोगिताओं/कार्यशाला में रेलटेल/पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या 50, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 26, हिंदी कार्यशाला में 21, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता में 48 और हिंदी में हिन्दी टिप्पण लेखन प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागी थे।

रेलटेल/पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय ने हिंदी पखवाड़ा के दौरान 21 सितंबर 2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया था, जिसमें श्री राजेश कुमार शॉ, सहायक सचिव, नराकास (उपक्रम), कोलकाता मुख्य अतिथि थे। इस कार्यशाला में श्री पूरन सिंह, राजभाषा अधिकारी/रेलटेल पूर्वी क्षेत्र ने 'राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के वैधानिक प्रावधान' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी तथा श्री राजेश कुमार शॉ ने 'राजभाषा हिंदी में दैनिक सरकारी कार्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी।

रेलटेल/निगम कार्यालय द्वारा 22 सितंबर 2022 को आयोजित 'कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के विविध प्रयोग' विषय पर माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक (भाषा) श्री बालेंदु दाधीच द्वारा प्रस्तुत हिंदी कार्यशाला में रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र के अधिकतम अधिकारियों/कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

राजभाषा पखवाड़ा के समापन समारोह में 28 सितंबर 2022 को, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को क्षेत्रीय महाप्रबंधक/रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र/कोलकाता द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

रेलटेल राजभाषा शील्ड 2021-22

रेलटेल कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा रेलटेल के सभी कार्यालयों (कॉर्पोरेट/क्षेत्रीय/टेरिटरी) में से राजभाषा हिंदी में सर्वाधिक एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रारम्भ की गई प्रथम रेलटेल राजभाषा शील्ड 2021-22 रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता कार्यालय को प्रदान की गई।

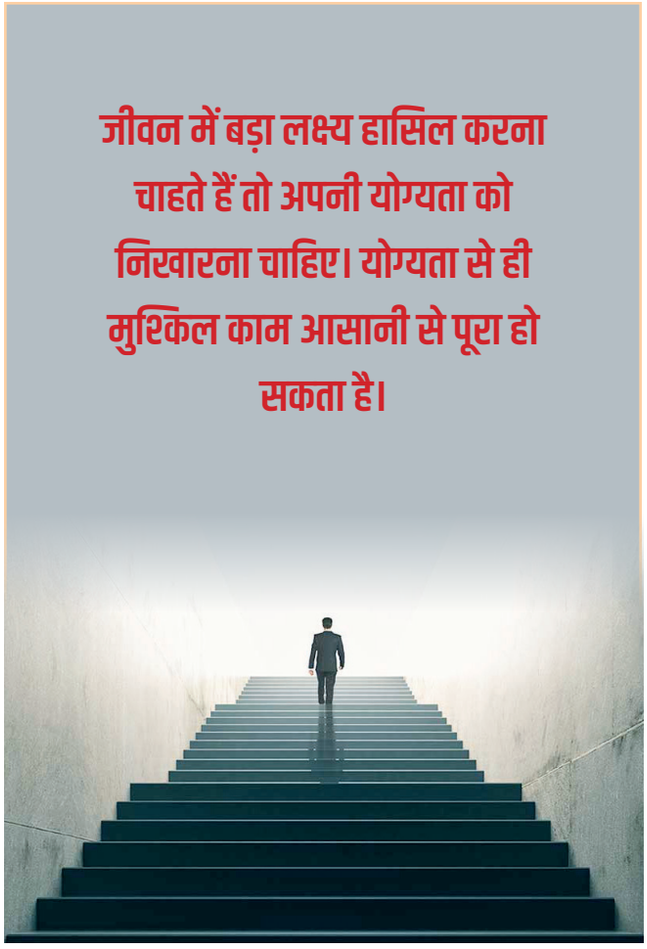

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति का रेलटेल पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता का निरीक्षण

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की राजभाषा गतिविधियां

22.07.2022 आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर, रेलटेल ने श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसकी मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद शर्मा, रीडर, हिंदी विभाग, डी यू थी। समारोह में बाल गंगाधर तिलक और श्चंद्रशेखर आजाद पर अंतर-क्षेत्रीय प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 12.7.2022 को रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा राजभाषा पत्रिका "रेलटेल प्रगति" के छठवें अंक का विमोचन करते हुए श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक/वित्त, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी।

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में दिनांक 16.9.2022 से 30.9.2022 तक राजभाषा पखवाड़ा के दिनांक 16.9.2022 को शुभारंभ किया गया। श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा रेलटेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई गई।

राजभाषा पखवाड़ा-2022 एवं स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ पर राजभाषा प्रतिज्ञा एवं स्वच्छता प्रतिज्ञा शपथ लेते हुए रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

मुख्य राजभाषा अधिकारी, कॉर्पोरेट कार्यालय सुश्री रुचिरा चटर्जी, राजभाषा पखवाड़ा एवं स्वच्छता पखवाड़ा-2022 के अवसर पर संबोधित करती हुईं।

22.92022 को हिंदी कार्यशाला में श्री बालेंदु दाधीच, निदेशक, माइक्रोसॉफ़्ट का स्वागत करते हुए सुश्री रुचिरा चटर्जी, मुख्य राज भाषा अधिकारी।

राजभाषा पखवाड़ा-2022 के अवसर पर इंडियन वुमन्स प्रेस कार्प्स के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार सुश्री शोभना जैन का व्याख्यान ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-1) के तत्वावधान में रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार ने किया। कार्यशाला में नराकास के सदस्य सचिव श्री संजीव कुमार ने राजभाषा की जानकारी दी ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली उपक्रम-1 के तत्वावधान में दिनांक 23.11.2022 को हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

राजभाषा पखवाड़ा-2022 का समापन एवं पुरस्कार वितरण तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन श्री संजय कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ रेलटेल की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में डा. निरंजन कुमार, डीन योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के सलाहकार का व्याख्यान हुआ।

रेलटेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार।

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की गतिविधियां

सद्भावना दिवस का आयोजन

दिनांक 22.08.2022 को सद्भावना दिवस के अवसर पर सभी धर्मों के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता, शांति, स्नेह और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने के लिए आज रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय मे सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रतिज्ञा ली।

आजादी के अमृत महोत्सव

घर-घर तिरंगा के उपलक्ष्य में दिनांक 12.8.2022 को तत्कालीन निदेशक/एनपीएम एवं वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार, संबोधित करते हुए।

आजादी के अमृत महोत्सव घर-घर तिरंगा के उपलक्ष्य में दिनांक 12.8.22 को तत्कालीन निदेशक/एनपीएम एवं वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार एवं अन्य अधिकारीगण द्वारा राष्ट्रगान।

आजादी के अमृत महोत्सव घर घर तिरंगा के उपलक्ष्य में दिनांक 12.8.2022 को तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह द्वारा संबोधन।

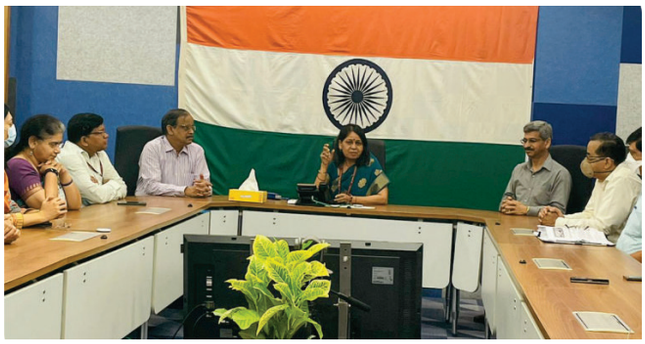

साइबर जागरूकता दिवस का आयोजन

गृह मंत्रालय, साइबर अपराध समन्वय केंद्र की पहल और रेलवे बोर्ड के निर्देश के तहत, रेलटेल ने 6.7.2022 को 'साइबर जागरूकता दिवस' मनाया। तत्कालीन निदेशक/एनपीएम श्री संजय कुमार, वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने साइबर सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। साइबर जागरूकता के महत्व पर चर्चा के बाद एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

'गतिशक्ति विजन' विषय पर पैनल चर्चा

रेलटेल के श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने डीआईपीए (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन) के वार्षिक फ्लैगशिप इवेंट में '5जी और आगे के लिए 'गतिशक्ति विजन' विषय पर पैनल चर्चा में स्ट्रीट फर्नीचर पर आरओडब्ल्यू और नीति पर अपने विचार साझा किए।

स्वच्छता पखवाड़ा

दिनांक 16.9.2022 को स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ पर रेलटेल कर्मियों द्वारा नुक्कड नाटक मंचन का दृश्य।

छमाही के कार्यनिष्पादन पर चर्चा

रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार ने छमाही के कार्यनिष्पादन पर चर्चा करने और कंपनी के विकास के अवसरों की पहचान करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ समीक्षा बैठक की।

हर घर तिरंगा अभियान

दिनांक 10.08.2022 को कॉर्पोरेट कार्यालय में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत तत्कालीन रेलटेल की अध्यक्षा एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झंडा वितरित किया गया।

रेलटेल ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 में अपनी सेवाओं का प्रदर्शन किया।

रेलटेल ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 में अपनी सेवाओं का प्रदर्शन किया।

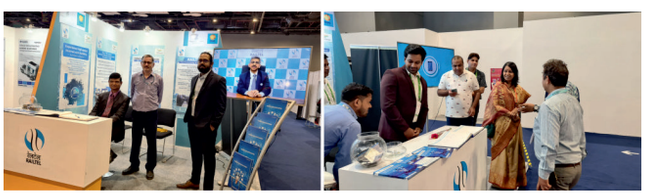

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में दीपावली पूजन

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार और रेलटेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दीपावली पूजन किया।

रेलटेल में मानार्थ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

वेंकटेश्वर अस्पताल द्वारा रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक मानार्थ स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लड शुगर, बीएमआई, बीएमडी, पल्मोनरी फंक्शन, ईसीजी आदि की जांच की गई और 120 कर्मियों ने इसका लाभ उठाया।

रेलटेल में यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूक चर्चा

कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH ACT) पर जागरूकता फैलाने के लिए रेलटेल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सुश्री ज्योति ग्रोवर, अध्यक्ष/स्थानीय समिति गुड़गांव (POSH) और संस्थापक निदेशक/चतुर्भुज परामर्श सेवाएं ने कार्मिकों को Act के बारे मे जानकारी दी।

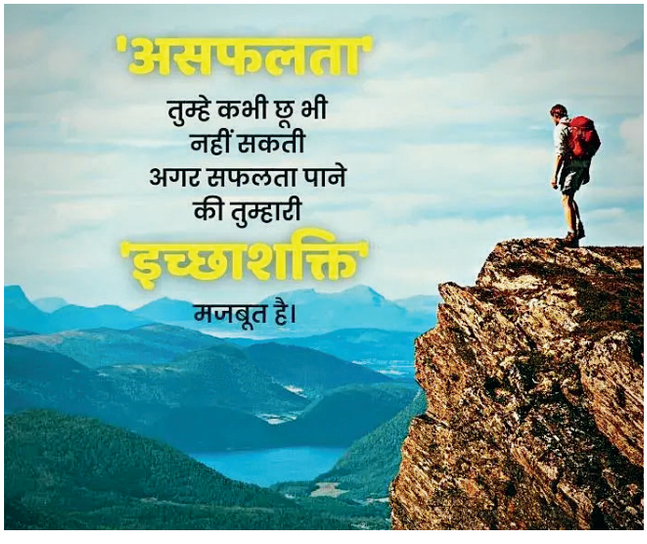

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय की उपलब्धियां

पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 16वें ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में रेलटेल को बेस्ट हाउस जर्नल (क्षेत्रीय भाषा) श्रेणी में "रेलटेल प्रगति" राजभाषा पत्रिका को रजत पुरस्कार मिला।

पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 16वें ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में रेलटेल को सर्वश्रेष्ठ सीएसआर संचार अभियान श्रेणी में कांस्य पुरस्कार मिला।

रेलटेल ने हितधारकों को अलग-अलग लाभ देने के लिए डेटा सेंटर डोमेन में प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम उपयोग का प्रदर्शन किया और इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित एक्सप्रेस कंप्यूटर के कार्यक्रम में डेटा सेंटर चैंपियन पुरस्कार जीता ।

रेलटेल ने साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (SAFA) अवार्ड जीता- इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग एंड कॉरपोरेट गवर्नेंस डिस्क्लोजर 2021 के लिए योग्यता का प्रमाण पत्र। मान्यता उत्कृष्टता और पारदर्शिता प्राप्त करने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है ।

रेलटेल को दूसरे शहरी इन्फ्रा बिजनेस शिखर सम्मेलन और पुरस्कार 2022 में 'रेलवे टेलीकॉम सॉल्यूशंस में उत्कृष्टता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

रेलटेल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक /रेलटेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी/रेलटेल, निदेशक/वित्त/रेलटेल और रेलटेल के सभी कर्मियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 की शुरुआत के अवसर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ 'सत्यनिष्ठा शपथ' ली। रेलटेल के कर्मचारियों द्वारा सतर्कता जागरूकता पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

सतर्कता सप्ताह के दौरान माननीय अतिथि श्री अनीश प्रसाद, आईपीएस, निदेशक सतर्कता (पुलिस), रेलवे बोर्ड ने निवारक सतर्कता पर रेलटेल के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक सूचनात्मक सत्र द्वारा संबोधित किया।

डॉ. दीपक राज राव, सहायक प्रोफेसर एनएफएसयू, दिल्ली द्वारा ओएसआईएनटी और श्री संजीव कुमार, एसोसिएट डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर, NFSU दिल्ली द्वारा दस्तावेजों में जालसाजी और परिवर्तन की व्याख्या का पता लगाने के लिए रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में प्रस्तुति दी गई। इसमें टीपी के माध्यम से सभी क्षेत्रीय कार्यालयों ने सहभागिता की ।

रेलटेल के अपर महाप्रबंधक आलोक अग्निहोत्री को वर्ष 2021-22 के दौरान 'निवारक सतर्कता कार्रवाई में उत्कृष्ट योगदान' के लिए सम्मानित किया गया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के एक भाग के रूप में, रेलटेल कर्मचारियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) का समापन सतर्कता बुलेटिन के शुभारंभ, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण, कर्मचारियों के बच्चों के साथ विशेष बातचीत, सीएमडी द्वारा समापन टिप्पणी और सीवीओ द्वारा वीएडब्ल्यू-2022 अवलोकन रिपोर्ट की प्रस्तुति के साथ किया गया।

ग़ज़ल

मनोज टंडन
समूह महाप्रबंधक/प्रचालन

गुमशुदा एहसासों की गर जुबां होती,
इस दुनियां की कुछ और दास्तां होती!

निकलते गर ज़ज़्बात हिज़ाब से बाहर,
वो मय निगाहों से ही अयाँ होती !

इंसानियत गर थोड़ी और रवां होती,
जिंदगी क्या खूबसूरत कारवां होती !

भौरों की फितरत गर बागबां होती,
बगिया बसंत सी रंगीली गुलिस्तां होती !

रूमानी फिज़ा थोड़ी और मेहरबां होती,
ये दुनिया और भी ज्यादा जवां होती!

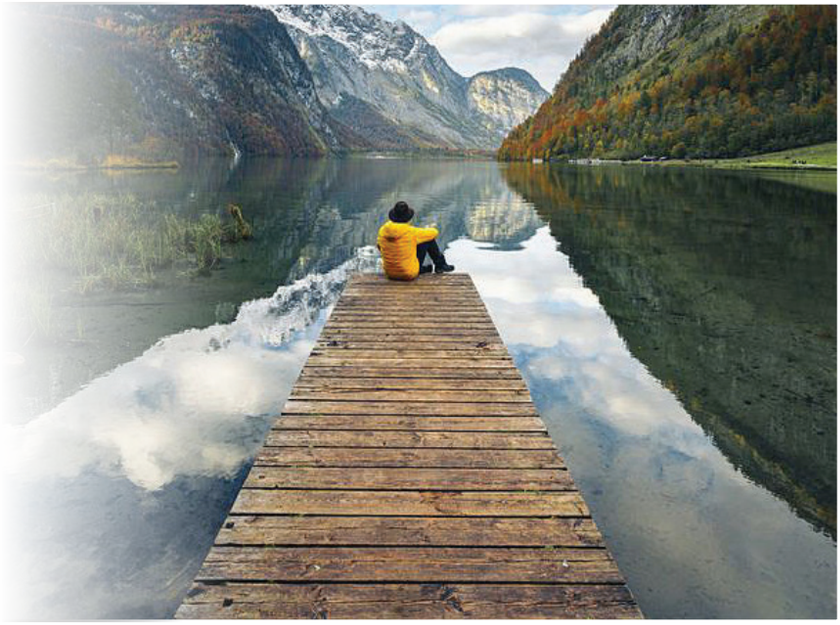

रेलटेल सदस्यों की 22वीं वार्षिक आम सभा का आयोजन

रेल मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एक मिनी रत्न रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 22वीं वार्षिक आम सभा का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/ अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों से 30 सितंबर, 2022 को आयोजन किया गया। श्री संजय कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने बैठक की अध्यक्षता की। सदस्यों ने वर्चुअल मॉड के माध्यम से बैठक में सहभागिता की।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए प्रदत्त शेयर पूंजी (0.65/- रु. प्रति शेयर) के 6.50% की दर पर अंतिम लाभांश की घोषणा की।

वैश्विक स्तर पर महामारी के बावजूद कंपनी ने 15% राजस्व की वृद्धि दर्ज की जो पिछले वित्तीय वर्ष रु. 1411 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक की सर्वश्रेष्ठ राजस्व वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 1628 करोड़ रही। हमने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कर-पूर्व रु. 281 करोड़ का लाभ अर्जित किया जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 43% की उत्कृष्ट वृद्धि थी।

वित्तीय वर्ष में कर-उपरांत लाभ 47% की वृद्धि के साथ रु. 209 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हमारी प्रति शेयर आय पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रु. 4.44 प्रति शेयर की तुलना में बढ़कर रु. 6.51 प्रति शेयर रही।

अपने संबोधन में अध्यक्ष महोदय ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी के कार्यनिष्पादन तथा कंपनी की भावी योजनाओं का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में श्री संजय कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने कहा कि "मुझे प्रसन्नता है कि कमजोर मार्केट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रेलटेल वृद्धि कर रहा है और निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है तथा नियमित तौर पर लाभांश का भुगतान करता आ रहा है।"

बाजार पूंजी के संदर्भ में रेलटेल अब रु. 3000 करोड़ वाली कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर रु. 1600 करोड़ से भी अधिक है तथा रेलवे ट्रैक के साथ-साथ इसका उच्च क्षमता वाला ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क 61000 से भी अधिक रूट किलोमीटर तक फैल चुका है।

चालू वित्तीय वर्ष में नेटवर्क अपग्रेडेशन के लिए हमारी योजना रु. 205 करोड़ की बड़ी धनराशि के निवेश की है ताकि हम अपने महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को और सुदृढ़ बना सकें।

भारतीय रेल के डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन के लिए रेलटेल एक अभिन्न भागीदार है। रेलटेल ने एनआईसी ई-ऑफिस (एक डिजिटल वर्कप्लेस सॉल्यूशन) का क्रियान्वयन किया है, बैठकों और अन्य गतिविधियों के लिए एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था की है, भारतीय रेल के सभी

अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों के लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) का क्रियान्वयन एवं इसे आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ जोड़ने का कार्य किया है। हम वीडियो सर्विलांस सिस्टम (वीएसएस), टनल कम्युनिकेशन प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के कार्य कर रहे हैं, मैनुअल सिगनलिंग सिस्टम को उत्तर रेलवे के 26 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के द्वारा बदल रहे हैं और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम को एलटीई/ 4जी कम्युनिकेशन बैकबॉन के द्वारा बदल रहे हैं।

हमने 400 रेलवे स्टेशनों पर पब्लिक वाई-फाई सेवाओं की एक्सेस के लिए प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (PM-WANI) स्कीम की पहले ही शुरुआत कर दी है। इस सुविधा का जल्द ही चरणबद्ध तरीके से सभी 6102 वाई-फाई इनेबल्ड रेलवे स्टेशनों पर विस्तार किया जाएगा।

हमारे रिटेल ब्रॉडबैंड सर्विस रेलवायर के ग्राहकों की संख्या 4.72 लाख तक पहुंच चुकी है और मार्च, 2023 के अंत तक हमारा लक्ष्य ग्राहकों की संख्या बढ़ाकर 06 लाख करना है। हाल ही में हमने ओटीटी बंडल्ड प्लानों की शुरुआत की है, जिनसे अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने और आगामी वर्षों में रेलवायर के बिजनेस को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हमने रक्षा और कोयला क्षेत्रों में पहले ही विभिन्न परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया हुआ है और हम शिक्षा, बैंकिंग, बीमा, ऊर्जा, हेल्थ सेक्टर आदि में भी काम करने जा रहे हैं।

वर्तमान में हमें रु. 5800 करोड़ के कार्य-आदेश मिले हुए हैं। हमारा ध्यान और अधिक बिजनेस प्राप्त करने पर केंद्रित है और जैसे-जैसे कोविड-19 की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है और सेमीकंडक्टर चिप की कमी संभावित है, वित्तीय वर्ष 2023 के लिए सतत् वृद्धि द्वारा शीर्ष पर पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया है।

हम कंपनी में कॉर्पोरेट गवर्नेंस, गहरे पैठ बना चुके महत्वपूर्ण मूल्यों, श्रेष्ठ कार्यप्रक्रियाओं, पारदर्शिता एवं सत्यनिष्ठा के बेहतर मानकों को बनाए रखने के प्रति बहुत सचेत हैं। रेलटेल की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व संबंधी गतिविधियों के मर्म में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिलाओं एवं बच्चों के आर्थिक सशक्तिकरण का सदैव ध्यान रखा जाता है।

रेलटेल ने 23वां स्थापना दिवस मनाया।

रेल मंत्रालय के मिनी रत्न पीएसयू रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपना 23वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम को रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार ने विशेष रूप से संबोधित किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में रेलटेल के निदेशक/वित्त श्री आनंद कुमार सिंह, रेलटेल के स्वतंत्र निदेशक डॉ. सुभाष शर्मा, रेलटेल के स्वतंत्र निदेशक श्री एन मनोहरन, रेल मंत्रालय में कार्यकारी निदेशक (दूरसंचार विकास) श्री राकेश रंजन और रेलटेल के सरकार द्वारा नामित निदेशक और रेलटेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. चंद्रमणि शर्मा शामिल थे।

रेलटेल में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

दिनांक 12.8.2022 को 74वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर दिनांक 15.08.2022 को रेलटेल परिवार द्वारा स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री संजय कुमार, तत्कालीन निदेशक/एनपीएम वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर रेलटेल परिवार के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजंन किया गया।

विजय दशमी (दशहरा)

लोकेंद्र चौहान
बिलासपुर, पूर्वी क्षेत्र

रामचरित्र मानस के ऊपर स्वयं का लिखने का छोटा सा प्रयास।जहाँ यह पूरा महीना राम और रावण के चरित्र के इर्द-गिर्द घूम रहा है।जहाँ समय के साथ-साथ रावण के पुतले की ऊंचाई बढ़ रही है और जिसके सामने राम का पुतला बौना प्रतीत हो रहा है और जिस तरह से रावण के पुतले की ऊंचाई चर्चा का विषय बनी हुई हैं इस पर हमें आत्मचिंतन की जरूरत है। रामचरित्र मानस सिर्फ एक पात्र पर केंद्रित नहीं है। यहाँ मानस में हर एक पात्र एक विशेषता लिए है। जिस प्रकार एक अच्छी रामलीला मंचन के लिए सारे पात्र का अच्छा अभिनय जरूरी है और राम के व्यक्तित्व और प्रसिद्धि में मानस के सारे पात्रों का योगदान है। अगर ये सारे पात्र ना हो तो राम, राम ही रह जायेंगे, भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम राम नहीं बन पाएंगे। वर्तमान जीवन भी एक रामलीला की तरह है और यहाँ सिर्फ हमें अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार किरदार को चुनकर उसका सही ढंग से अभिनय करना है। यहाँ हमें राम और रावण बनने की लड़ाई ना होकर श्रेष्ठ अभिनय करने की लड़ाई होनी चाहिए।

कागज़ के किरदार

विवेक कुमार गुप्ता
उप मु. सिग. एवं ढूर. सं. इंजी. /मुख्या.
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर- 482001

जरा सी हवा क्या चली वो तूफान बताने लगे ।
जरा सा करम क्या किया वो अहसां जताने लगे ।।
इधर किया करम उधर जता दिया,
रोजा तो नहीं रखा अफतारी मांगने लगे।।
जाने क्या देख लिया कुछ जुगनुओं ने ख्वाब में,
नींद से जगे और चाँद मांगने लगे ।।

ये वो जहनी मरीज हैं, जो अब दवाएं करने लगे ।।
चांद को मैंने पा लिया, सूरज को अपना बताते लगे ।
न जाने किस भरम में हैं, खुद को खुदा बताने लगे ।।
हद तो तब हुई जब निकल पड़े सूरज से लोहा लेने ।
किरदार-ए-कागज़ थे फ़ना हो के रह गए ।।

रेलटेल द्वारा आधार प्रमाणीकरण सेवाएं

अंकित श्रीवास्तव
वरिष्ठक प्रबंधक/डेटा सेंटर, रेलटेल/गुरूग्राम

वर्तमान डिजिटल युग में, किसी भी योजना या एप्लिकेशन के लिए वास्तविक उपयोगकर्ताओं की प्रामाणिकता स्थापित करना एक चुनौती है। भारत में, आधार अपने नागरिकों का एक अद्वितीय पहचानकर्ता होने के नाते, इस चुनौती के लिए एक राहत के रूप में विकसित हुआ है।

आधार परियोजना सरकार द्वारा एक विशिष्ट पहचान संख्या या दस्तावेज रखने के प्रयास के रूप में शुरू की गई थी जिसमें एक भारतीय निवासी के सभी विवरण होंगे। इस समय देश में पहचान के कई दस्तावेज हैं, जैसे पैन, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि। जबकि आधार उन्हें रिप्लेस नहीं करता है, इसे एकमात्र पहचान (और पता) प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह अपने ग्राहक को जानें मानदंडों के आधार के रूप में कार्य करता है, जिसका उपयोग वित्तीय कंपनियों, दूरसंचार फर्मों और अन्य व्यवसायों द्वारा किया जाता है जो ग्राहक प्रोफाइल बनाए रखते हैं। हाल के दिनों में यह राष्ट्रीय महत्व की कई परीक्षाओं के दौरान प्रतिरूपण और जालसाजी को रोकने का एक उपकरण बन गया है।

एक बार जब निवासी नामांकन करते हैं, तो वे इलेक्ट्रॉनिक साधनों का उपयोग करके या ऑफ़लाइन सत्यापन के माध्यम से जैसा भी मामला हो, कई बार अपनी पहचान को प्रमाणित करने और स्थापित करने के लिए अपने आधार नंबर का उपयोग कर सकते हैं।आधार और इसका मंच सरकार को कल्याणकारी योजनाओं के तहत अपने वितरण तंत्र को सुव्यवस्थित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है।

आधार में नामांकन और प्रमाणीकरण के लिए एक वितरित पारिस्थितिकी तंत्र है। नामांकन पारिस्थितिकी तंत्र में रजिस्ट्रार और नामांकन एजेंसियां शामिल हैं।रजिस्ट्रार एक इकाई है जो व्यक्तियों को नामांकित करने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा अधिकृत या मान्यता प्राप्त है। नामांकन एजेंसियों को रजिस्ट्रार द्वारा नियुक्त किया जाता है और प्रमाणित ऑपरेटरों / पर्यवेक्षकों को नियुक्त करके नामांकन प्रक्रिया के दौरान व्यक्तियों की जनसांख्यिकीय और बायोमेट्रिक जानकारी एकत्र करने के लिए जिम्मेदार हैं।

प्रमाणीकरण पारिस्थितिकी तंत्र: भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने वास्तविक समय में प्रमाणीकरण सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों से कई प्रमाणीकरण सेवा एजेंसियों (एएसए) और प्रमाणीकरण उपयोगकर्ता एजेंसियों (एयूए) को नियुक्त किया है।

रेलटेल के पास एएसए, एयूए और केयूए लाइसेंस हैं और उसने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण डेटा केंद्रों के साथ रेलटेल डेटा केंद्रों के साथ लीज लाइन कनेक्टिविटी हासिल की है। डेटा सेंटर में इन लाइसेंसों और इसके आधार बुनियादी ढांचे के आधार के आधार पर, रेलटेल विभिन्न उप एयूए, एयूए और केयूए को प्रमाणीकरण सेवाएं और ई-केवाईसी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है।

नीचे दी गई चित्रात्मक आधार उपयोगकर्ता और एयूए से यूआईडीएआई (रेलटेल एएसए / एयूए के माध्यम से) और इसके विपरीत लेनदेन अनुरोध प्रवाह प्रदर्शित करती है।

रेलटेल बैंकिंग क्षेत्र सहित विभिन्न संगठनों को आधार प्रमाणीकरण सेवाएं प्रदान कर रहा है और हाल ही में रेलटेल

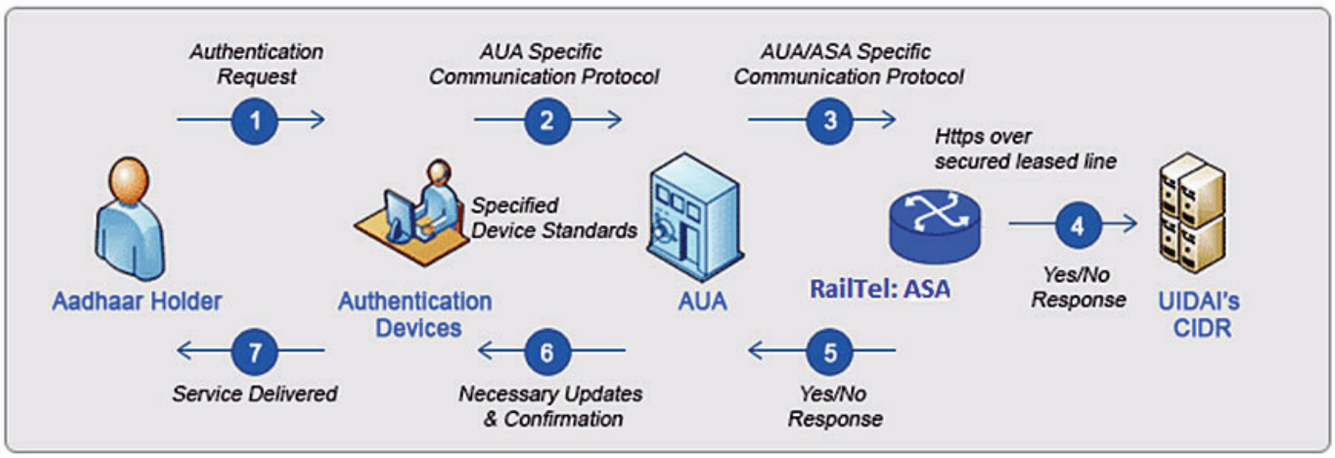

ने आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके उम्मीदवार की प्रामाणिकता स्थापित करने में दो प्रसिद्ध सरकारी एजेंसियों आरआरबी (रेलवे भर्ती बोर्ड) और एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) की मदद की है। रेलटेल ने एचएसएससी की हरियाणा सीईटी-2022 परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के प्रतिरूपण नियंत्रण के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक्स सेवाएं प्रदान करने के काम को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रतिरूपण नियंत्रण समाधान जो कनेक्टिविटी, सीसीटीवी निगरानी और अन्य एसओसी और डीसी सेवाओं के साथ परीक्षा के प्रारंभिक चरण से ही केंद्रीय आधार डेटाबेस के साथ उम्मीदवार का वास्तविक समय सत्यापन करता है, रेलटेल द्वारा विभिन्न एजेंसियों / संगठनों को दी जाने वाली अनूठी विशेषता है।

रेलटेल उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक्स और चेहरे को कैप्चर करके किसी भी परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले या किसी भी सरकारी योजना का लाभ उठाने वाले उम्मीदवारों की पहचान स्थापित कर रहा है और इसलिए वास्तविक उपयोगकर्ताओं को सुविधा का लाभ प्राप्त करने में सक्षम बना रहा है।

नीचे चित्रात्मक डिस्प्ले रेलटेल के आधार बुनियादी ढांचे का उपयोग करके परीक्षा आयोजित करने के लिए पालन किए गए चरणों को दर्शाता है:

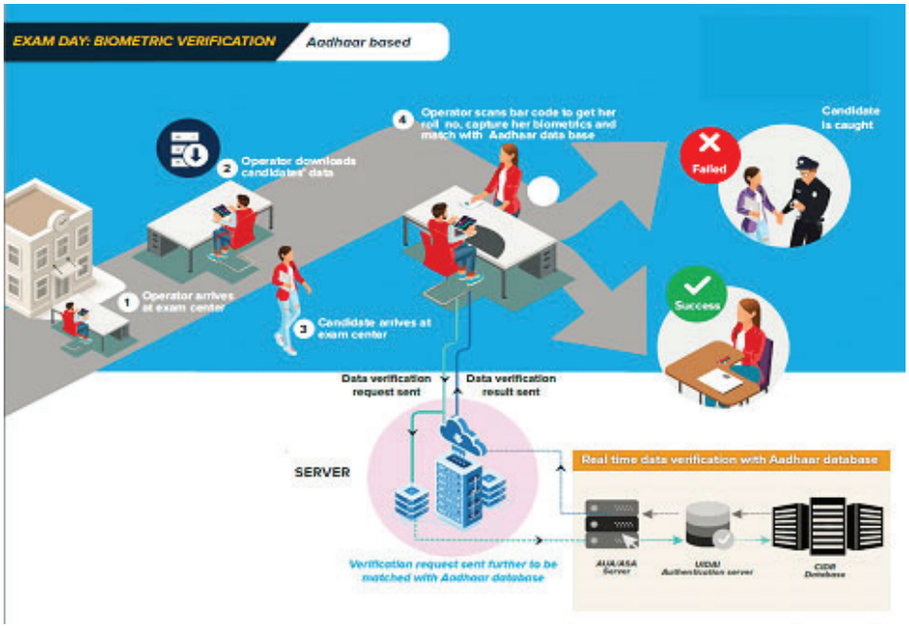

मौजूदा बाजार परिदृश्य का विश्लेषण करते हुए, रेलटेल के लिए आधार सेवाओं में एक बड़ा अवसर है और रेलटेल अपने आधार बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित सेवाओं की एक श्रृंखला के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान कर सकता है ताकि परीक्षा के हर चरण या इसी तरह के अन्य सरकारी परिदृश्यों में कदाचार को रोका जा सके।

रेलटेल पश्चिमी क्षेत्र की उपलब्धियां

1. इस अवधि के दौरान प्राप्त प्रमुख व्यवसायिक आदेश निम्नानुसार हैं :

   क. मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड: पश्चिमी क्षेत्र को 860 स्थानों पर मध्यप्रदेश सरकार के कार्यालयों में होरीजेंटल कनेक्टिविटी सेवाओं के प्रावधान और 5 साल की अवधि के लिए सीसीटीएनएस और Food सह-स्थित सुविधाएं (राज्य के डाटा सेंटर के लिए डाटा सेंटर ऑपरेटरों) की सुविधा प्रबंधन सेवाओं की आपूर्ति के लिए एमपीएसईडीसी से 13.06करोड़ रुपये काक्रय आदेश (पीओ) मिला।

   ख. भारत संचार निगम लिमिटेड: पश्चिमी क्षेत्र में 1 वर्ष की अवधि के लिए 1/2.5/10 और 20 Gbps बैंडविथ के प्रावधान के लिए बीएसएनएल से 4.35 करोड़ रुपये का क्रय आदेश (पीओ)।

   ग. भारतीय स्टेट बैंक:4 साल की अवधि के लिए पश्चिम क्षेत्र में 48 स्थानों पर एमपीएलएस-वीपीएन बीडब्ल्यू के उन्नयन/ प्रावधान के लिए भारतीय स्टेट बैंक से 4.34 करोड़ रुपये का क्रयआदेश (पीओ)।

   घ. वोडाफोन इंडिया लिमिटेड: माटुंगा, दादर टिकट काउंटर, बधवार पार्क आर ब्लॉक, लोअर परेल हॉस्टल और ओआरएच निर्मल पार्क, भायखला में सहस्थान हेतु 5 वर्ष की अवधि के लिए वोडाफोन से 3.49 करोड़ रुपये का क्रय आदेश (पीओ)।

   ङ. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड: आरसीएफ में 100 Mbps एमपीएलएस-वीपीएन बीडब्ल्यू के प्रावधान के लिए एचपीसीएल से क्रय आदेश (पीओ), 2.09 करोड़ रुपये ट्रॉम्बे और एचपीएलसी, सिकंदराबाद और एचपीसीएल, चर्चगेट में 350 Mbps अपग्रेड और 5 साल की अवधि के लिए डीसी-डीआर के बीच 300 Mbps P2P लिंक कनेक्टिविटी का प्रावधान।

   च. मध्य रेलवे: पश्चिम क्षेत्र के 4 स्टेशनों पर टीपी

सतर्कता सप्ताह का आयोजन

नवरात्रि/दशहरा पर्व का आयोजन

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

कार्यक्रम आयोजित करने और मंडल रेलवे अस्पताल, भुसावल और भुसावल मंडल , मध्य रेलवे की स्वास्थ्य इकाइयों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए मध्य रेलवे से 2.07 करोड़ रुपये का क्रय आदेश (पीओ) 1 वर्ष की अवधि के लिए।

छ. ओम आशा नेट प्राइवेट लिमिटेड: LVSB प्रभादेवी-वसई रेलवे स्टेशन से 5 साल की अवधि के लिए लीज लाइन बैंडविथ के प्रावधान के लिए ओम आशा नेट प्राइवेट लिमिटेड से 1.78 करोड़ रुपये का क्रय आदेश (पीओ)।

ज. गुजरात विद्युत विनियामक आयोग: रेलटेल के डेटा सेंटर में 5 साल की अवधि के लिए ई-ऑफिस लाइट की hosting के लिए GERC से 1.52 करोड़ रुपये का क्रय आदेश (पीओ)।

2. इस अवधि के दौरान अर्जित किए गए व्यवसाय का मूल्य 178.16 करोड़ रुपये है। इस अवधि (जुलाई-दिसंबर 2022) के दौरान, 39.52 करोड़ रुपये(18.81 करोड़ रुपये सालाना) के अतिरिक्त ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।

3. अप्रैल 2022 से दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान कुल संग्रह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 169.38 करोड़ रुपये था, जो125.94 करोड़ रुपये था यानी 34.49% की वृद्धि हुई।

4. टर्न ओवर: वित्त वर्ष 2022-2023 की पहली छमाही के दौरान कुल आय पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 137.89 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 95.21 करोड़ रुपये थी यानी 44.82% की वृद्धि हुई।

राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

जीवन में खुश रहने की कला

राजमणि सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक /परियोजना, रेलटेल-पश्चिम क्षेत्र, मुंबई

इस कलयुग में सकारात्मकता से ज्यादा नकारात्मकता जिंदगी को प्रभावित करती है। ज़िन्दगी में ऐसे कई पल आते हैं, जब हम अपने आपको अकेला महसूस करते हैं। ऐसे समय में अपने आप को खुश रखना सबसे ज्यादा जरुरी होता है।

खुश रहना कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। आपने, अपने आस-पास ऐसे बहुत से लोगों को देखा होगा, जो सामान्यत: खुश रहते हैं। जबकि कुछ ऐसे भी होंगे, जो भीतर से बहुत दुखी होते हैं और अपनी बात भी किसी से साझा करना पसंद नहीं करते। ऐसे लोग बस अन्दर ही अन्दर घुटते रहते हैं और आखिर में उसका परिणाम ये होता है कि वो मानसिक तौर पर किसी बड़ी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं।

इसलिए जरूरी है कि आप खुश रहने की कला सीख लें। किसी के साथ हैं या अकेले हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपका खुश रहना आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

खुश रहने की कला के कुछ जरूरी नियम जिसके अनुपालन से हम अपनी जिंदगी में खुशियों के रंग भर सकते हैं और जीवन संजीदगी के साथ व्यतीत कर सकते हैं।

यथासंभव आत्मनिर्भर बने

आत्मनिर्भरता का मतलब है अपना हर काम स्वयं करना और किसी पर निर्भर नहीं रहना। अक्सर हम अपने छोटे छोटे कामों के लिए भी दुसरो के भरोसे बैठे रहते है और सोचते है कि वो फला व्यक्ति मेरा काम कर देगा क्यूंकि वो मेरा अच्छा मित्र है या मेरा सगे सम्बन्धी है परन्तु आज-कल हर कोई अपनी जिन्दगी में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें दूसरे काम की फुर्सत ही नहीं रहती है फिर भी हम उन्हें जोर देकर कहते रहते हैं कि कृपया मेरा यह काम कर दो! यह भी हो सकता है कि आपका वो काम समय पर पूरा न हो या काम होने में देर हो जाये तो ऐसी स्थिति में आप दुखी होकर बैठे रहते हैं।कभी कभार हम इसे दिल पर ले लेते हैं और सामने वाले मित्र से बातचीत तक बंद कर देते हैं।

तो आप ही सोचिये इससे फायदा क्या हुआ बल्कि हम बेवजह परेशान होकर बैठे रहते हैं। इसलिए आप अपने छोटे-मोटे काम खुद ही करने की आदत डालें और सदैव खुश रहे। दूसरों से ज्यादा उम्मीद करना आज के समय में कोई समझदारी वाला काम नहीं माना जाता है। ऐसा करने से इंसान को सिर्फ धोखा और मायूसी ही मिलती है क्यूंकि आज के समय में कोई भी किसी दूसरे की मदद बेवजह नहीं करता है।

सबको सिर्फ अपने काम से मतलब होता है। इसलिए आप सिर्फ अपने आप पर ही भरोसा कर सकते हैं।

सामाजिक माध्यम (सोशल मीडिया) में लिप्तता कम से कम रखें

सोशल मीडिया एक अच्छा मंच है और उससे हमें काफी कुछ सीखने को भी मिलता है, पर यह भी सच है कि ये ऐसे लोगों का भी जरिया है जो झूठे हैं और अपना दिखावा अधिक करते हैं तो ऐसे लोगों से बचने के लिए इसका प्रयोग थोड़ा कम करें जिससे आप तनावग्रस्त होने से बचेंगे और खुद में अच्छा महसूस करेंगे।

सीमित करें दूरध्वनि (मोबाइल) का प्रयोग

मोबाइल हम सबकी ज़रूरत है, लेकिन इसका प्रयोग एक सीमा तक ही करना उचित है। अन्यथा ये हमारे लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। हम एक मिनट भी अपने मोबाइल से दूर नहीं रह सकते हैं। आपको पता भी नहीं चल पाता कि आप इसकी लत की शिकार हो जाती हैं।

मोबाइल से निकलने वाली नीली रोशनी आपकी नींद को ख़राब करती है।

जरूरत से ज्यादा मोबाइल और अन्य यन्त्र (गैजेट्स) का प्रयोग सिर्फ आपकी आंखों ही नहीं, बल्कि आपकी मानसिक सेहत को भी प्रभावित करता है और इस बात से तो आप भी इनकार नहीं करेंगें कि ये आपके दिन और रात के समय का एक बड़ा हिस्सा बेकार कर देता है।

अपने शौक एवं पसंद को जीवन में सदैव सम्मान, स्थान और समय दें

सिर्फ नौकरी और घर के काम ही नहीं, उन चीजों के लिए भी समय निकालें जो इसके अलावा हैं यानी अपने शौक के लिए, फिर चाहें वह गीत-गाना हो, नाचना, बागवानी या फिर कोई पसंदीदा खेल। अपने शौक को समय देना आपको भावनात्मक संतुष्टि का अहसास करवाता है और ये जीवनशैली एक बेहतर तनाव निवारक के रूप में भी आपको लाभ पहुंचाती है। अपने लिए कोई एक दिन चुनें और उस दिन खुद को पूर्ण समय दें। अपनी पसंद के परिधान पहनें, अपनी पसंद का खाना खांए और वह सब करें, जो आपको अपने लिए करना पसंद है। सबसे जरूरी बात, इसके लिए किसी मुहूर्त का इंतजार न करें। जब भी आप चाहें, अपने दिन को अपने लिए जश्न के रूप में लें। ये आपके लिए एक अच्छा प्रयोग सिद्ध हो सकता है।

इस भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि एक तरह से खुद को भूल ही जाते हैं कि खुद के लिए भी हमे समय देना चाहिए। इसलिए लगातार काम की वजह से हम सकारात्मक और ऊर्जावान नहीं रह पाते हैं।

इसलिए हफ्ते में एक बार अपने लिए भी समय निकालें और जिसमें आप यथावत आराम करें और अपनी पसंदीदा जगह घूमने जायें, मन पसंद कपड़े पहनें, चलचित्र देखें, खेल खेलें और भी जो आपको लगता है वो आप करें।

इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा और फिर से आप अपने काम में लौट पाओगे वो भी मुस्कराहट के साथ। अपने लिए समय निकालना बहुत ही जरूरी है।

योग-ध्यान-प्रणायाम का नियमित अभ्यास करें

यह आपकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। योग जहां आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, वहीं ध्यान और प्राणायाम आपको मानसिक तनाव से राहत देता है। प्राणायाम एक श्वसन क्रिया है, जो आपके शरीर के सभी अंगों तक उचित मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करती है। वहीं ध्यान आपको तनावमुक्त कर किसी भी तरह के अवसाद या मानसिक विकार से बचाता है।

सदैव यथासम्भव दूसरों की मदद करें

किसी के लिए कुछ करने या कुछ देने की भावना भी आपको भावनात्मक संतुष्टि देती है। जरूरी नहीं कि यह कोई बहुत बड़ा काम करने के बाद ही हासिल की जाए। इस खुशी को आप अपनी दिनचर्या में भी जुटा सकते हैं। दूसरों की मदद

करें, माफ करना सीखें और गलतियों को सकारात्मक तरीके से सुधारना सीखें। ये छोटे-छोटे नुस्खे आपको दिन के अंत में परिपूर्णता और खुशी का अहसास देंगे।

स्वस्थ का हर संभव एवं यतार्थ प्रयास करें

अच्छा स्वास्थय ही जीवन की सच्ची ख़ुशी है मित्रों और कहा भी जाता है **"पहला सुख निरोगी काया"** इसलिए कोई चाहे कितनी ही विलासितापूर्ण जिंदगी जी रहा हो परन्तु यदि वो तन व मन से स्वस्थ नहीं है तो वो कभी खुश नहीं रहेगा और हमेशा अपने स्वास्थय को लेकर चिंतित रहेगा।

इसलिए अपने-आप को स्वस्थ बनाये रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें, पौष्टिक आहार लें, सुबह शाम थोड़ा पैदल ही घूमें। इसके अलावा आप किसी भी प्रकार के नशे और दुर्व्यसनों से दूर रहें।

अपनी तुलना किसी के साथ न करें

अपनी तुलना दूसरों से करना, ये बहुत ही गन्दी और बुरी बात है क्यूंकि इससे होता कुछ नहीं है बल्कि हम अपने-आपको और ज्यादा दुखी करते जाते हैं और इसका कोई अंत भी नहीं है।

इसके बजाय आप ये सोचें कि इस धरती पे हम सब अपने-आप में अद्वितीय हैं, सभी में अलग-अलग गुण हैं, सबका हुनर और रूचि अलग-अलग है। अक्सर ऐसा होता है कि आप अपने-आपको अपने दोस्त, सहकर्मी या परिवार के अन्य लोगों से तुलना करने लग जातें हैं और खुद को उनसे कमतर महसूस करने लगतें हैं। यह यकीनन आपको दुखी कर सकता है। हर इन्सान अपने-आप में बेहतर होता है। हर व्यक्ति अपने-आप में परिपूर्ण है, जरूरी है अपनी खासियत को समझना और उस पर गर्व महसूस करना।

तो फिर अपनी तुलना दूसरों से क्यों करना? **अपनी तुलना दूसरों से करना खुद का अपमान करने के बराबर है।**

आप अपने-आप में श्रेष्ठ हो और सबसे अलग हो बस यही बात अपने मन में रखें और फिर देखना मित्र! आप कभी भी दूसरों को देखकर दुखी नहीं होंगे।

खुद की कमजोरी दूर करें तथा गलत सांगत से भी बचें

अगर आप किसी चीज में कमजोर हैं तो अक्सर लोग इस बात का फायदा भी उठाते हैं और इस को लेकर अक्सर आप परेशान भी रहते हैं। अतः आप अपनी उन कमियों को दूर करें जो आपको कमजोर बनाती है और कभी भी दूसरों के सामने अपनी कमजोरी न दिखायें। गलत आदत और गलत लोगों का साथ आपको हमेशा दुखी ही करेगा। इसलिए आप जितना जल्दी हो सके इनसे दूर हटने की कोशिश करें।

अपना भविष्य खुद चुनें

जिस काम को करने में आपको ख़ुशी मिलती है या जिसमें आपका मन लगता है या यू कहें कि जो आपका सपना है उसे ही आप अपने भविष्य के रूप में चुनें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने काम से आनंदित रहेंगें और हमेशा ख़ुश रहेंगे।

प्रात: जल्दी उठें और रात्रि को समय से निद्रा लें

सुबह जल्दी उठकर आप दिन की प्रारंभ करें। सुबह जल्दी उठने से आलस्य दूर होते हैं, शरीर ऊर्जावान बना रहता है और आप दिनभर तरोताजा महसूस करेंगे। सुबह की ताजा हवा और शांत वातावरण से मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिलती है। रात्रि को समय से निद्रा लें ताकि प्रातः शीघ्र उठ

सके। देर रात तक चलने समारोह (party) से सदैव बचें, इससे आप अपने परिवार एवं बच्चों को समय दे पाएंगे और उनकी खुशियों में वृद्धि होगी। बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगींण विकास में आपका दिया हुआ हर समय उनके उज्जवल भविष्य के लिए अनमोल एवं अतिआवश्यक भी है।

अच्छे मित्र बनायें

दोस्त जीवन में सुख-दुःख के सच्चे साथी होते हैं जिनसे हम अपनी जिंदगी की हर एक बात शेयर कर सकते हैं। कोई भी ऐसी बात जो हम अपने परिवार को नहीं बता सकते उसे हम अपने दोस्तों को बताकर अपने मन को हल्का कर सकते हैं।

लेकिन कहते हैं न कि अच्छे दोस्त की पहचान बुरे वक़्त में ही होती है। इसलिए दोस्त भले ही कम हो परन्तु अच्छे होने चाहिए जो हर बुरी परिस्थिति में आपके काम आ सकें।

परिवारिक रिश्तों को सदैव मजबूती दें

एक परिवार की अहमियत क्या होती है ये आप सभी अच्छे से जानते हैं। परन्तु परिवार में यदि कलह, विवाद या मनमुटाव हो तो इससे अच्छे खासे रिश्तो में भी दरार पड़ जाती है। अतः जरुरी है परिवार में हम अपनों की अहमियत को समझे और बड़े बुजुर्गो का आदर सम्मान करें, अपने से छोटो को प्यार दें और जरुरत के समय परिवारजनों की मदद करें।

इससे रिश्तों में मजबूत होते हैं, परिवार में आपका मान-सम्मान बढ़ता है और अंततः आपको अपार खुशियाँ प्राप्त होती है।

खुद को सदैव सकारात्मक एवं व्यस्त रखें

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते है परन्तु एक सकारात्मक विचारधारा वाला इंसान हमेशा अपने-आपको विपरीत परिस्थितियों से भी बाहर निकाल लेने की क्षमता रखता है। हमेशा खुद को किसी-न-किसी काम में व्यस्त रखेंगे तो दुखी होने का समय ही नहीं मिलेगा। इससे मन में उठने वाले फालतू विचार भी नहीं आते और लाइफ हमेशा सकरातामकता बनी रहेगी।

इसलिए आप, अपने मन में कभी भी किसी भी प्रकार की नकारात्मकता को न आने दें और हमेशा ये ही सोचे "जो होगा वो अच्छा ही होगा"।

अपने अथक परिश्रम से अच्छी आय सुनिश्चित करें

दोस्तों ये एक कड़वी सच्चाई है की पैसा आज के समय में सबसे अहम हिस्सा है जिंदगी का। ये इसलिए भी जरुरी है क्यूंकि पैसा एक इंसान की जिंदगी बदलने की ताकत रखता है। परन्तु इसका ये मतलब बिलकुल नहीं है कि आपके पास करोड़ो की दौलत होना जरुरी ही है। आपके पास इतना पैसा तो होना चाहिए की जिससे आप अपने शौक और परिवार की जरूरतें पूरी कर सके और जिसके लिए आपको कभी भी किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े और न ही दुखी होना पड़े।

अपना वर्तमान जिओ और कल की चिंता छोड़ो

दुखी होने का ये एक बहुत बड़ा कारण है कि ज्यादातर लोग अपने भविष्य की चिंता कर करके ही दुःखी होते रहते हैं। उसके चक्कर में वो लोग अपने वर्तमान को भी ठीक से जी नहीं पाते और अपनी जिंदगी को ऐसे ही दुःख के साये में रहते हुए गुजार देते हैं। ज़रा सोचो कि क्या भविष्य आपके हाथ में है, क्या भविष्य में ठीक वैसा ही होगा जैसा आज आपने सोचा है? शायद आप भी कहेंगे कि – बिलकुल नहीं, तो फिर ऐसा सोचना तो बिलकुल मूर्खता होगी न!! अतः आप कल की चिंता छोड़कर सिर्फ वर्तमान में जिओ और खुश रहो।

ज्यादा की इच्छा न बढ़ाएं

दोस्तों कहा जाता है कि "अति हमेशा दुखदायी होती है।" यहाँ अति का मतलब ज्यादा की इच्छा रखने से है। इसे आप एक तरह से लालच भी कह सकते हैं और जिसकी पूर्ती कभी भी नहीं हो सकती।

इसलिए आज से ही ऐसी इच्छा को त्याग दो और जो आपके पास है उसी में खुश रहने की कोशिश करो। जितनी बड़ी आपकी चादर हो उतना ही अपना पैर फैलाएं ताकि पैर चादर के अन्दर ही रहें अन्यथा पैर बाहर निकलने के कारण आपके पैर को ठण्ड लगने से परेशानी ही होगी।

हमेशा खुद पर भरोसा रखें

जो इंसान खुद पर भरोसा रखता है वो कभी भी दुखी नहीं हो सकता क्यूंकि जो ऐसे इंसान कभी भी मन में ऐसी शंका नहीं रखते कि क्या मैं सफल हो पाउँगा, क्या मुझसे वो काम हो पायेगा, क्या इसका परिणाम मेरे मन मुताबिक होगा? आदि आदि। ईश्वर सदैव उसी की मदद करते हैं जो अपनी मदद खुद करते हैं।

अथक परिश्रम से अपना लक्ष्य हासिल करें

कितना अच्छा लगता है और कितनी ख़ुशी प्राप्त होती है ना जब आप अपना कोई लक्ष्य पूरा कर लेते हैं। सच में बहुत ही ख़ुशी होती है उस पल तो बस आप भी अपनी ज़िंदगी में किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाते जायें और उन्हें समय से पूरा करते जायें।

अच्छी किताबे पढ़ें तथा अच्छा ज्ञान प्राप्त करें

किताबें जीवन की एक अच्छी दोस्त मानी जाती है। ये आपको अच्छा ज्ञान देती है और आपकी मंजिल तक ले जाने का रास्ता दिखाती है। इसलिए आप हमेशा अच्छी किताबे ही पढ़े एवं किसी निम्नस्तर के गंदे एवं विवादित साहित्य से दूर रहें। हर अच्छे ज्ञान को संग्रहित करें तथा अच्छे ज्ञान को जीवन में अनुपालन के साथ-साथ अत्यधिक महत्त्व दें और उसका लाभ सदैव उठायें।

थोड़ा आस्तिक भी बनें

आस्तिक मतलब वो जो भगवान या ईश्वर में विश्वाश रखता हो। जब भी हम किसी बात को लेकर परेशान होते हैं तो हम अपने इष्ट देव की शरण में जाते हैं। इससे हमें मन की शांति मिलती है।

अतः आप चाहे जिस भी धर्म को मानते हो परन्तु अपने भगवान् को जरूर याद करें।

जिंदगी को अनमोल हमेशा अनमोल समझें

सबसे बड़ी बात तो ये ही है कि ज़िंदगी अनमोल है और इसलिए इसके हर पल का आनंद लेना आना चाहिए। क्या पता "कल हो न हो" इसलिए इसे पूर्णतया आनंद के साथ जियें और हमेशा खुश रहने की कोशिश करते रहें।

इसके अलावा आप अपने स्तर पर भी वो अच्छा काम कर सकते हैं जिससे आपको खुशी मिलती है। खुशिया आपके अंदर ही है और हर इंसान जब चाहें तो अपने आप को खुश रख सकता है। बस जरूरत है तो इस बात की कि उसे हर हाल में खुश रहना आता हो।

यहाँ मैंने जिन भी बातों का जिक्र किया है वो सब मेरे निजी विचार एवं अनुभव हैं। अंततः सबसे बस यही अनुरोध है कि उपरोक्त गुणों को अपने जीवन में, यदि उचित लगे तो, अवश्य अपनानें तथा उचित स्थान देनें का प्रयास करें।

समय की धारा

हरिराज सिंह
उप-महाप्रबंधक, उत्तरी क्षेत्र

तीव्र वेग से अविरल बहती,
अनादि अनन्त समय की धारा ।
जिसके पीछे अपनी गति से,
भाग रहा है ये जग सारा ।।

इसके एक पल में आते हैं,
इसके एक पल में जाते हैं ।
कितने ही जीवन खोते हैं,
कितने ही जीवन पाते हैं ।।

तेरा एक पल, मेरा एक पल,
इसका एक पल, उसका एक पल,
सबका एक समान एक पल ।
फिर भी कभी नहीं हो पाता,
सबका एक समान एक पल ।।

सबका एक समान एक पल,
अनुभव लेकिन भिन्न भिन्न है ।
कोई खुशी से झूम रहा है,
कोई कष्ट से अति खिन्न है ।।

समय किसी का ठहर गया है,
और किसी का दौड़ रहा है ।
कोई जूझ रहा मृत्यु से,
कोई परम् सुख भोग रहा है ।।

कोई जीतता, कोई हारता,
कोई हंसता, कोई रोता है ।
कोई मरता, कोई मारता,
एक पल में क्या क्या होता है ।।

तृष्णा से जो तड़प रहा हो,
उससे जल की कीमत पूछो ।
मृत्यु निकट खड़ी हो जिसके,
उससे पल की कीमत पूछो ।।

सब कुछ गवां दिया हो जिसने,
उससे कल की कीमत पूछो ।
गाड़ी छूट रही हो जिसकी,
उससे पल की कीमत पूछो ।

नाव भंवर में अटकी जिसकी,
उससे पल की कीमत पूछो ।
जिसने अपनो को खोया हो,
उससे पल की कीमत पूछो ।
जो परीक्षा देने बैठा हो,
उससे पल की कीमत पूछो ।।

पल में सब कुछ बदल जाएगा,
ऐसा हर कोई जानता है ।
फिर भी ना जाने क्यों खुद को,
सबसे ऊँचा मानता है ।।

मैं जग में सबसे ऊँचा हूँ,
ऐसा जो भी मानता है।
सब झूठे बस मैं सच्चा हूँ,
ऐसा जो भी मानता है।
वह सबसे बड़ा है अज्ञानी,
सत्य को नहीं जानता है ।।

बड़े-बड़े निष्ठुर अभिमानी,
इस धरती को छोड़ चुके हैं ।
अपने मिथ्या अहंकार में,
सबसे नाता तोड़ चुके हैं ।।

पल पल घटते इस जीवन में,
अगले पल जाने क्या होगा ।
कौन बिछड़ जाएगा किससे,
और कौन किसको पाएगा ।।

पल भर का ये जीवन इसमें,
प्रेमपूर्ण व्यवहार करो ।
सत्यता का पथ अपनाओ,
ज्ञान का प्रसार करो ।।

पथ से जो भी भटक गए हैं,
तुम उनका विश्वास बनो ।
दुनिया से जो हार चुके हैं,
उनके जीवन की आस बनो ।।

खुद को सबका सेवक मानो,
ऐसा भी तो हो सकता है ।
सारे जग में खुशियां बांटो,
ऐसा भी तो हो सकता है ।।

इस पल को संगीत बना लो,
ऐसा भी तो हो सकता है ।
सबको अपना मीत बना लो,
ऐसा भी तो हो सकता है ।।

रेलटेल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत चलाई जा रही योजनाओं की झलक

दिनेश शुक्ला
कार्यकारी निदेशक, कॉर्पोरेट समन्वय

वित्तीय वर्ष 22-23 के लिए रेलटेल द्वारा की जा रही कुछ कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल

1. रेलटेल आकांक्षा सुपर-30 देहरादून, उत्तराखंड

इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखंड के उन वंचित छात्रों को शिक्षित करना है, जिनके पास आईआईटी प्रवेश परीक्षा को पास करने की क्षमता है, लेकिन संसाधन नहीं हैं। यह कार्यक्रम उन्हें एक वर्ष के लिए मुफ्त आवासीय कोचिंग, बोर्डिंग प्रदान करता है, जहां उन्हें आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रमुख इंजीनियरिंग परीक्षाओं में अपना स्थापन बनाने के लिए प्रशिक्षित और पोषित किया जाएगा।

2. पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल।

सेहत केंद्र के माध्यम से महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए परामर्श, व्यवहार में बदलाव की तलाश, मासिक धर्म स्वच्छता और सेनीटेशन (मुफ्त सैनिटरी पैड वितरण), नेत्र जांच शिविर (चश्मे का मुफ्त वितरण), गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सहायता सेवाएं जैसी गतिविधियों का संचालन और आधारभूत औषधियों का वितरण किया जाता है।

3. जन्मजात हृदय रोग के लिए वंचित बच्चों उपचार।

इस सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से, रेलटेल जन्मजात हृदय रोग (सीएचडी) के लिए वंचित / गरीब बच्चों का इलाज करने की योजना बना रहा है। रेलटेल उनके लिए रियायती दरों पर इलाज का खर्च उठाएगा।

4. मथुरा, उत्तर प्रदेश में मिड डे मील (एमडीएम) कार्यक्रम के लिए सहयोग।

सरकारी स्कूलों में कक्षा की भूख को मिटाने के प्रयास के क्रम में मिड डे मील योजना लागू करके पौष्टिक और स्वस्थ भोजन देने के प्रयास किए गए हैं।

5. राजस्थान के करौली जिले में आकांक्षी जल संरक्षण (जल संचय)।

जल संरक्षण संरचना की डिजाइन, मरम्मत और निर्माण करके ग्रामीण समुदायों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। जल संरक्षण निकायों और संरचना का निर्माण के लिए स्थानों की पहचान की जाएगी। हरित पट्टी विकसित करने के लिए भी वृक्षारोपण किया जाएगा।

6. पाठ्य पुस्तकों, बैग, स्टेशनरी, ऊनी कपड़े और जूते की खरीद के लिए गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए दान।

एनजीओ द्वारा चलाए जा रहे स्कूल में पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों और गरीब छात्रों के लिए स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें, स्टेशनरी आइटम, वर्दी और ऊनी कपड़े, नोटबुक और स्कूल के लिए इन्वर्टर खरीदने के लिए दान दिया गया है।

7. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत अल्मोड़ा, उत्तराखंड में योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के लिए अनुदान।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 7 शौचालयों और स्नानघरों के निर्माण के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र को अनुदान दिया गया है। केंद्र का उपयोग योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से प्रशिक्षण, व्याख्यान, सम्मेलन और उपचार जैसी गतिविधियों के लिए किया जाता है।

8. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत राम कृष्ण मिशन, विवेक नगर, त्रिपुरा में केंद्रीय भवन हॉल और शौचालय ब्लॉकों के नवीनीकरण और जीर्णोद्धार।

रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित विद्यालय भवन के भोजन

कक्ष एवं शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण किया जा रहा है।

9. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वय के अंतर्गत पुणे, महाराष्ट्र में अनाथ बच्चों की देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास की पहल।

अच्छे स्वास्थ्य स्तर, कौशल निर्माण, अनाथालय में लगभग 100 बच्चों के उचित व्यवहार करने के लिए बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है।

10. भारत विकास परिषद द्वारा दिल्ली/एनसीआर में एनीमिया मुक्त भारत परियोजना।

परियोजना का उद्देश्य एनीमिया से पीड़ित गरीब महिलाओं की पहचान करना, उन्हें जागरूक करना और एनीमिया से छुटकारा पाने के लिए पहचान की गई एनीमिक महिलाओं का इलाज करना, संबंधित लक्षित क्षेत्रों में एनीमिया के कारणों की पहचान करना और एनीमिया मुक्त समाज के लिए एक वातावरण का निर्माण करना है।

11. मैसर्स शांति मुकुंद अस्पताल, दिल्ली को पूरी तरह से सुसज्जित कार्डियक एम्बुलेंस ।

पूरी तरह से सुसज्जित कार्डियक एम्बुलेंस यानी एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस (एएलएस) प्रदान की गई है। एएलएस और इसकी सेवाएं दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के लोगों के लिए गरीब और जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त में प्रदान की जाएंगी।

12. उत्तर रेलवे अस्पताल, नई दिल्ली में कैंसर रोगियों की काउंसलिंग और हैंडहोल्डिंग

कैंसर रोगियों की सहायता और परामर्श के लिए रोगी सहायता, परामर्श और हैंडहोल्डिंग कार्यक्रम आयोजित करना ताकि वे अपनी बीमारी के दौरान प्रेरित रहें और अपने परिवारों को कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित करें और आशा और उपचार को आधे या पूरी तरह से न छोड़ें।

13. चाइल्ड हार्ट फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा किसी भी भ्रूण हृदय संबंधी असामान्यता के लिए गर्भवती महिलाओं की इकोकार्डियोग्राफी स्क्रीनिंग

किसी भी भ्रूण हृदय संबंधी असामान्यता के लिए वंचित परिवारों की गर्भवती महिलाओं की इकोकार्डियोग्राफी स्क्रीनिंग की जाती है। इस परियोजना में किसी भी भ्रूण हृदय संबंधी असामान्यता के लिए गर्भावस्था के 18 से 24 सप्ताह के दौरान भ्रूण के दिल का मूल्यांकन और जन्म में दोष निदान के लिए बच्चे को उपचार प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा बीमारी और प्रारंभिक निदान और निवारक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में समुदाय में जागरूकता पैदा की जाती है।

14. गुरुग्राम, हरियाणा में मेसर्स ब्राइट ऑरेंज फाउंडेशन द्वारा गुरुग्राम में झुग्गी के बच्चों की शिक्षा के लिए धन उपलब्ध करवाना।

शिक्षा संरचना के बारे में ध्यान केंद्रित किया जाता है ताकि स्कूलों के बच्चे न केवल मुख्यधारा में शामिल हों, बल्कि अपनी पढ़ाई और भविष्य के प्रयासों में भी अच्छा प्रदर्शन करें। स्कूल के बाद जरूरत पड़ने पर छात्रों को सहायता भी प्रदान की जाती है।

15. उत्तर प्रदेश के हरदोई में मेसर्स राज कुमारी फाउंडेशन द्वारा टेली हेल्थ के लिए प्रस्ताव।

आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और जरूरतमंद गंभीर रोगियों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के समन्वय से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में टेली हेल्थ सेंटर स्थापित करने के लिए सहायता का प्रस्ताव है। यह केंद्र रोगियों को दैनिक सेवाएं, परामर्श, दवा, एएनसी और प्रसव सेवाएं प्रदान करेगा।

16. जनता आदर्श अंध विद्यालय, नई दिल्ली को सहयोग करना ।

बधिर और नेत्रहीन स्कूलों के शिक्षकों को वेतन, संगीत, शिल्प, कंप्यूटर और शारीरिक शिक्षा के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से योगदान और उनकी शिक्षा में सहयोग करने के लिए धन उपलब्ध कराया गया है।

17. मैसर्स बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उत्तराखंड को चमोली और रुद्रप्रयाग में कॉलेज संचालन के लिए सहायता प्रदान करना ।

उत्तराखंड के चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों के विभिन्न भागों में स्थापित और बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा संचालित संस्कृत कॉलेजों में अवसंरचना सहायता प्रदान करने के लिए धनराशि उपलब्ध करवाई गई है।

आजादी का अमृत महोत्सव

आनंद स्वरूप श्रीवास्तव
उप महाप्रबंधक, लखनऊ

आज़ादी का 75वाँ वर्ष चल रहा,
लगता है जैसे अमृत वर्ष चल रहा,
आज़ादी अब प्रौढ़ हुई,
छोटी बातें अब गौड़ हुई।।

जाति-पाति का बंधन टूटा,
धर्म-प्रांत का भेदभाव अब हुआ अछूता।।

कई बातों में अब देश बढ़ रहा,
विकसित होने की राह चल रहा,
भ्रष्टाचार, महाँगाई दूर हटाना है,
गरीबी को भी हटाना है,
हर एक देशवासी को समृद्ध हमें बनाना है।

कमियाँ कई है,
पर पार उन्हें भी पाना है,
है अभी विकासशील,
पर विकसित खुद को बनाना हैं।

नई सदी हम लायेंगे,
आज़ादी की शताब्दी भी मनाएंगे,
बुराईयों को मिटाएंगे
लक्ष्य बस अब एक है,
देश को आगे बढ़ाना है,
भारत को आगे बढ़ाना है ।।

कोख़ या कब्र

डॉ. देव कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, चंडीगढ़

माँ कोख में तेरी पल रहींहूँ ,
ज़िन्दगी के साथ लड़ रही हूँ ,
संसार में मुझ को आने दे ,
गौरव अपना बन जाने दे ,
ना मार तू मुझ को कोख में माँ ,
ये कोख कब्र कहलाएगी,

वज़ूद तू मुझको दे दे माँ,
तेरा नाम रोशन कर दिखलाऊँगी,
तेरी संग होली मनाऊंगी,
दिवाली पे घर को सजाऊंगी,

हाथ पकड़कर जब माँ मुझ को चलना सिखलाएगी,
मेरी पायल की झंकार सबके चेहरे पे मुस्कान लाएगी,
संसार में मुझको आने दे
वज़ूद अपना बनाने दे,
गौरव अपना बन जाने दे,
ना मार तू मुझ को कोख में माँ,
ये कोख कब्र कहलाएगी, ये कोख कब्र कहलाएगी।

रेलटेल, दक्षिणी क्षेत्र, सिकंदराबाद की उपलब्धियां

1. वित्तीय वर्ष 2022-23 की दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए दक्षिण क्षेत्र की आय 242.11 करोड़ रुपये है जिसमें वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही और तीसरी तिमाही की आय 205.47 करोड़ रुपये की तुलना में 37.32% (YOY) की वृद्धि हुई है।

अवधि	वित्त वर्ष -2022-23 (करोड़ में)	वित्त वर्ष -2021-22 (करोड़ में)	वित्त वर्ष -2021 22 की तुलना में % में वृद्धि
दूसरी तिमाही	117.41	92.41	27.03
तीसरी तिमाही	124.7	113.06	10.29
कुल	242.11	205.47	37.32

2. आईसीटी और डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन सेवाओं के लिए एनएमडीसी के साथ अक्टूबर 2022 में एक समझौता ज्ञापन (अंबरेला एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए गए ।

(सीएनसी एक्स्पो -2022 , तेलंगाना रेलवायर टीम और तेलंगाना में रेलवायर की सराहनीय सेवाओं के लिए प्राप्त हुआ अवार्ड)

3. पैन इंडिया में 5 खनन स्थानों पर ईआरपी और भविष्य की अन्य डिजिटल पहलों के लिए आईटी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन के लिए एनएमडीसी के साथ दिसंबर 2022 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिस ऑर्डर का मूल्य रु.122 करोड़ है।

4. जुलाई 2022 से दिसंबर 2022 तक 194.06 करोड़ रुपये की राशि के कुल 342 पीओ प्राप्त हुए (नए / नवीनीकरण / उन्नयन)। जिसमें मुख्य रूप से सिकंदराबाद में एलएल-4*100 जीबीपीएस के लिए गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से रु. 22.40 करोड़ रुपयों का, सिकंदराबाद में एंटरप्राइज क्लास ईमेल की आपूर्ति, स्थापना और विन्यास के लिए परमाणु ईंधन कांप्लेक्स के लिए 5.19 करोड़ रुपयों का और 100 जी*3 स्थानों के लिए अमेज़न डेटा सर्विसेज से 13.80 करोड़ रुपयों का नए पीओ शामिल है।

5. 23 जुलाई, 2022 को आयोजित टीपी इवेंट में "आजादी की रेल गाड़ी और स्टेशन" कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी, माननीय रेल राज्य मंत्री, कपड़ा श्रीमती दर्शना जरदोश, माननीय रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब दनवे सम्मिलित हुए। माननीय मंत्रियों ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर

स्वतंत्रता सेनानियों से बातचीत की तथा मदुरै से भारत गौरव ट्रेन को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। 107 स्थान टीपी पर और 119 साइट वेबएक्स पर जुड़े हुए थे । केंद्रीय स्थान दिल्ली में डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र था ।

6. हिन्दी दिवस -2022 के उपलक्ष्य में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन :

इस वर्ष रेलटेल के दक्षिणी क्षेत्र कार्यालय में राजभाषा पखवाड़े का आयोजन दिनांक 16.09.2022 से 30.09.2022 तक किया गया जिसमें कार्यालय परिसर में राजभाषा पखवाड़ा संबंधी जानकारी बैनर के माध्यम से प्रदर्शित की गयी तथा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि निबंध लेखन, हिन्दी प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें टेरिटरी कार्यालयों की सहभागिता भी सुनिश्चित की गई ।

वीएसएस परियोजना पर हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया एवं कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा दिये गए पत्र के अनुरूप क्षेत्रीय एवं टेरिटरी कार्यालयों के लिए हिन्दी पुस्तकों की खरीद की गई।

7. डाटा सेंटर में प्राप्त पीओएस का कुल मूल्य 69.14 करोड़ रुपये है जबकि कुल डीसी व्यापार मूल्य 33.88 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है।

8. सीएमडी ने लिंगमपल्ली पीओपी का निरीक्षण किया और दक्षिणी क्षेत्र की समीक्षा की। दक्षिणी क्षेत्र में सीएमडी के निरीक्षण के दौरान, प्राइवेसी स्टैक का प्रदर्शन किया गया, जो रेलटेल के डेटा एनोनिमाइजेशन और प्राइवेसी रिस्क असेसमेंट को संचालित करने में मदद करता है। इस दौरान रेलटेल दक्षिण क्षेत्र द्वारा लिए गए कुछ नए इनीसीएटिव्स -लेर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्वरसेतु (वॉइस रिकोगनीसन सिस्टम) इत्यादि पे भी प्रस्तुतीकरण दिया गया ।

9. रेलटेल ने हाईटेक्स हैदराबाद, तेलंगाना में 10 वें सीएनसी एक्सपो-2022 में भाग लिया और तेलंगाना में रेलटेल द्वारा रेलवायर की सेवाओं के लिए किए गए सरहनीय प्रयासों के लिए सीएनसी एक्सपो-2022 से पुरस्कार प्राप्त किया ।

(सीएनसी एक्स्पो -2022 , तेलंगाना रेलवायर टीम और तेलंगाना में रेलवायर की सराहनीय सेवाओं के लिए प्राप्त हुआ अवार्ड)

10. ईएसआईएस के लिए डिजिटल हेल्थ टेलीमेडिसिन में पीओसी आयोजित करने के लिए एमओयू को माननीय श्रम मंत्री श्री शिवराम हेब्बर के साथ साझा किया गया है. यह पहल बंगलौर और हुबली क्षेत्र के 15 अस्पतालों को टेलीमेडिसिन सुविधाएं प्रदान करने के लिए है. अक्टूबर-दिसंबर 2022 के बीच इसमें 3 महीने की अवधि में टेली मेडिसिन पोर्टल पर ईएसआईएस के कुल 6500 रोगियों को शामिल किया गया. इसमें 334 परामर्श किए गए और 5000 यूनिक ईएमआर बनाए गए ।

11. एनएमपीए/ मैंगलोर मैरीटाइम पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के सौजन्य से पीएम गतिशक्ति और एमएक्ससीएस स्कैनर गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जिसने एनएमपीए मैंगलोर को विशेषज्ञ पैनल और उच्च अधिकारियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र के लिए देश के दूसरे हिस्से से जोड़ने में सक्षम बनाया।

12. रेलवायर व्यवसाय

रेलटेल दक्षिण क्षेत्र में पिछले छह महीनों में एएनपी एवं एमएसपी द्वारा विभिन्न स्थानों पर 379 से अधिक मार्केटिंग कैम्पेन और रोडशो आयोजित किया गए जिनकी कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं :

(कर्नाटका में रोड शो)

(तमिलनाडू में एम एस पी और ए एन पी के साथ बैठक)

(तेलंगाना में पम्पलेट डिस्ट्रिब्यूशन और डोर टु डोर प्रचार-प्रसार)

(बीसवें मेगा केबल फ़ेस्ट 2022 रेलवायर पवेलियन, कोच्चि, केरला)

बीभू, पोंगल, मकर संक्रांति में खिचड़ी का महत्व

मणि आनंद
सलाहकार, आई.सी.टी.

शस्त्रों में चावल को चंद्रमा का प्रतीक माना गया है। काली उड़द की दाल को शनि का प्रतीक माना गया है। हल्दी को बृहस्पाति का प्रतीक है। नमक को शुक्र का प्रतीक माना गया है। हरी सब्जियां बुध से संबंध रखती हैं।

खिचड़ी का गर्मी का संबंध मंगल और सूर्य से है। इस प्रकार खिचड़ी खाने से सभी प्रमुख ग्रह मजबूत हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है।

यह भी कहते हैं कि मकर संक्रांति के दिन नए अन्न की खिचड़ी खाने से शरीर पूरे साल आरोग्य रहता है।

वैसे भी पोषण की दृष्टि से देखा जाय तो खिचड़ी सम्पूर्ण भोजन है, चावल (कार्बोहाइड्रेट), दाल (प्रोटीन), घी (वसा), सब्जियां (विटामिन्स/मिनरल्स/फाइबर)। खिचड़ी में सभी पोषक तत्व एक ही व्यंजन में मिल जाते हैं।

सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी)

कपिन्द्र यादव
सहायक प्रबंधक/रेलवायर, कॉर्पोरेट कार्यालय

भारत एक तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्था हैं, जिसमें 100 करोड़ से भी ज्यादा लोग शामिल हैं और जिन्हें ऊर्जा की बड़ी मात्रा में आवश्यकता हैं। जिसकी पूर्ति भारत सरकार द्वारा विभिन्न नवीनीकरणीय और अनवीनीकरणीय संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। हमारा देश बिजली को उत्पन्न करने एवं उसकी खपत करने में विश्व में पांचवें स्थान पर हैं। हमारे देश में बिजली का उत्पादन हर साल बढ़ रहा है, पर हम इस बात से भी इंकार नहीं कर सकते कि जनसंख्या भी साथ में बढ़ रही है।

देश में बिजली का 53% उत्पादन कोयले से किया जाता है और ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि वर्ष 2040 – 2050 तक ये भी समाप्त हो जाएगा। भारत की 72% से अधिक जनता गाँवों में निवास करती हैं और इसमें से आधे गाँव बिना बिजली के ही अपना जीवन यापन कर रहे हैं। अब भारत ऐसी स्थिति में आ गया है कि अब हम ऊर्जा के अधिकाधिक उत्पादन के लिए, ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में, उसके नवीनीकरण एवं बचाव के लिए कदम उठाए। इस मांग को पूर्ण करने हेतु सौर ऊर्जा का उपयोग सर्वोत्तम उपाय हैं, जिससे हम ऊर्जा की मांग एवं पूर्ति के बीच सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

भारत एक उष्ण-कटिबंधीय देश है, जिसके अनेक लाभों में से एक लाभ हमें सूर्य प्रकाश के रूप में भी प्राप्त होता है। उष्ण-कटिबंधीय देश होने के कारण हमारे यहाँ वर्ष भर सौर विकिरण प्राप्त की जाती है, जिसमें सूर्य प्रकाश के लगभग 3000 घंटे शामिल हैं, जो कि 5000 ट्रिलियन kWh के बराबर है। भारत के लगभग सारे क्षेत्रों में 4–7 kWh प्रति वर्ग – मीटर के बराबर हैं, जो कि 2300-3200 सूर्य प्रकाश के घंटे प्रति वर्ष के बराबर है। चूँकि भारत की अधिकांश जनता ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हैं, अतः वहाँ सौर ऊर्जा की उपयोगिता बहुत है। साथ ही विकास की भी संभावनाएँ हैं और अगर सौर ऊर्जा का उपयोग प्रारंभ होता है, तो वहाँ घरेलू कामों में कंडों एवं लकड़ियों का प्रयोग होने में भी कमी आएगी जिससे वायु प्रदुषण भी नहीं होगा।

भारत में सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए विशाल कार्यक्षेत्र उपलब्ध हैं क्योकिं भारत की भूस्थली ऐसे स्थान पर है, जहाँ सूर्य प्रकाश पर्याप्त मात्रा में पहुँचता है। पृथ्वी की सतह पर प्रति वर्ष पहुँचने वाले सूर्य प्रकाश की मात्रा अत्याधिक है। पृथ्वी पर अनेक अनवीनीकरणीय पदार्थों, जैसेः कोयले, तेल, प्राकृतिक गैस एवं अन्य खनन द्वारा प्राप्त यूरेनियम पदार्थों का एक वर्ष में जितना उपभोग होता है, उसके दोगुने से भी ज्यादा हर वर्ष सूर्य प्रकाश धरती पर पहुंचता है और व्यर्थ हो जाता हैं।

सौर ऊर्जा तकनीक

सौर ऊर्जा, सौर विकिरणों एवं सूर्य के ताप के प्रयोग द्वारा एक विकसित तकनीक है। इसके और भी रूप हैं, जैसे- सौर ताप, सौर विकिरण और कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण, आदि।

- सौर ऊर्जा कभी ख़त्म न होने वाला संसाधन हैं और यह अनवीनीकरणीय संसाधनों का सर्वोत्तम प्रतिस्थापन है।
- सौर ऊर्जा वातावरण के लिए भी लाभकारी हैं। जब इसे उपयोग किया जाता है, तो यह वातावरण में कार्बन-डाई-ऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैस नहीं छोड़ती, तो वातावरण प्रदूषित नहीं होता।

- सौर ऊर्जा अनेक उद्देश्यों हेतु प्रयोग की जाती हैं , जैसे- उष्णता के लिए, सुखाने के लिए, भोजन पकाने में और बिजली के रूप में, आदि। सौर ऊर्जा का उपयोग कार में, हवाई जहाज में, बड़ी नावों में, उपग्रहों में, केल्कुलेटर में और अन्य उपकरणों में भी इसका प्रयोग किया जाना उपयुक्त हैं।
- चूँकि सौर ऊर्जा एक अनवीनीकरणीय ऊर्जा संसाधन है। अतः भारत जैसे देशों में जहाँ ऊर्जा का उत्पादन महँगा पड़ता हैं, तो वहाँ ये संसाधन इसका बेहतरीन विकल्प हैं।
- सौर ऊर्जा उपकरण किसी भी स्थान पर स्थापित किया जा सकता है। यहाँ तक कि ये घर में भी स्थापित किया जा सकता हैं, क्योंकिं यह ऊर्जा के अन्य संसाधनों की तुलना में यह सस्ता भी पड़ता हैं।

भारत में सौर उर्जा का गाँवों और शहरों में उपयोग

भारत के गांवों और शहरों में भी सौर उर्जा का उपयोग अब संभव हो गया है। एक समय था जब भारत के अनेक गांवों में बिजली नहीं थी। लेकिन तकनिकी विकास और सौर उर्जा की मदद से आज भारत के अनेक गांवों में बिजली है। हालाँकि आज भी भारत में अनेक गाँव ऐसे है जहाँ पर बिजली नहीं है लेकिन, सौर उर्जा की मदद से गांवो और शहरों में बिजली उत्पादन काफी तेजी से बढ़ा है और लोग सौर उर्जा की मदद से अपने घर को रौशन करने में सफल हुए हैं। सौर उर्जा या सौलर पैनल पर सरकार भी भारतियों की काफी मदद कर रही है।

योग हमे अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।

अरविंद कुमार
वरिष्ठ प्रबन्धक/तकनीकी/मुंबई

योग हमे अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।
दुनिया भर की बीमारी को, अपने से दूर भगाना है ।।
योग ध्यान और संयम से, जीवन हमे सजाना है ।
योग हमें अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।।

रहे सजग हम अपनों के प्रति, अपना धर्म निभाना है ।
आज की ऐसी भाग दौड़ में, कल को हमें बचाना है ।।
दावा डॉक्टर के चक्कर से, खुद को हमें छुड़ाना है ।
योग हमें अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।।

योग से बनेगी निर्मल काया, और ध्यान से उज्जवल चित्त।
संयम से होंगे हम निश्चल, मन भी होगा स्वच्छ पवित्र।।
योग में है दुनिया का हर रस, बस यही समझ में आना है।
योग हमें अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।।

भारत की पहचान है योग, बुद्धा का ध्यान है योग ।
हम सब का अभिमान है योग,
महर्षि पतंजलि का ज्ञान है योग ।।
यह विधा है अमूल्य, धारा की, इसे और फैलाना है ।
योग हमे अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।।

सबको हक है निर्मल काया, बस योग दिनचर्या में लाना है ।
दुनिया भर की बीमारी को, खुद से दूर भगाना है।।
आओ मिलकर करें प्रतिज्ञा, योग हमें अपनाना है ।
योग हमें अपनाना है, जीवन सरल बनाना है ।।

रिटेल निवेशकों के लिए वैकल्पिक निवेशके अवसर

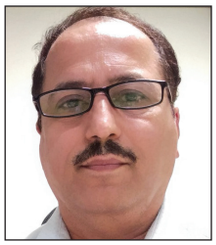

नरेंद्र टी जोशी
संयुक्त महाप्रबंधक (वित्त), रेलटेल, पश्चिमी क्षेत्र

कुछ वर्षों पहले तक आम जनता के लिए व्यक्तिगत निवेश का मतलब बैंक/डाक सावधि जमा, सोने की खरीद, गृह संपत्ति, सामान्य भविष्य निधि, बीमा पॉलिसी, राष्ट्रीय बचत योजना, किसान विकास पत्र, यूनिट लिंक बीमा आदि था।

समय के साथ व्यक्तिगत निवेश का दायरा भी बढ़ गया है, और लोगों के पास अब निवेश के अलग-अलग विकल्प हैं। पिछले 30 वर्षों के दौरान निवेश के बहुतसारे बदलाव हुए हैं, और प्रौद्योगिकी से लोगों को शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, गोल्ड बॉन्ड, गवर्नमेंट इंफ्रा बॉन्ड, कमोडिटी मार्केट, कॉरपोरेट बॉन्ड जैसे अन्य निवेश के विकल्प मिले हैं।

हाल के कुछ वर्षों में, इन विकल्पों के अलावा, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा, चालान छूट, वाणिज्यिक संपत्ति के आंशिक स्वामित्व, क्रिप्टो मुद्रा आदि जैसे निवेश के नए रास्ते उभर रहे हैं। हालांकि, यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि विदेशी मुद्रा, चालान छूट, वाणिज्यिक संपत्ति के आंशिक स्वामित्व, क्रिप्टो मुद्रा में सीधे निवेश में उच्च जोखिम शामिल है, इसीलिए कोई भी निवेश सभी तथ्यों और जोखिम लेने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा खुदरा निवेश के लिए सरकारी बांड / प्रतिभूतियां खोली गई हैं। यह सुरक्षित निवेश विकल्प है. भारत सरकार की प्रतिभूतियों/बांडों में सीधे निवेश करने के लिए कोई भी भारतीय रिजर्व बैंक के साथ खुदरा प्रत्यक्ष निवेशक खाता खोल सकता है, हालांकि बाजार की स्थितियों के आधार पर रिटर्न तुलनात्मक रूप से मध्यम रहता है।

इस लेख में चालान छूट (Invoice discounting) में रिटेल निवेशकों के लिए निवेश के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

हमारे देश में रिटेल निवेशकों के लिए चालान छूट (Invoice discounting investment) निवेश हाल की अवधारणा है, और शुरुआती चरण में है।

चालान छूट, चालान वित्त का सबसे सरल रूप है। जैसा कि सभी प्रकार के इनवॉइस फाइनेंस के साथ होता है, इनवॉइस छूट के साथ आप एक ऋणदाता को अवैतनिक चालान बेचते हैं और वे आपको नकद अग्रिम देते हैं जो कि चालान के मूल्य का प्रतिशत है। इनवॉइस डिस्काउंटिंग कम जोखिम वाले 30-90 दिनों में अच्छे रिटर्न वाले निवेशकों के लिए निवेश का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। पारंपरिक निवेश मार्गों की तुलना में चालान छूट रिटर्न आम तौर पर अधिक होता है। यहां सालाना करीब 10-12 फीसदी रिटर्न मिल सकता है।

“उदाहरण के लिए, जब कोई निर्माता अपने आपूर्तिकर्ता को कच्चे माल के लिए आदेश देता है, तो निर्माता कच्चे माल

के लिए कुल भुगतान नहीं करेगा। फिर निर्माता कच्चे माल के लिए पूरा भुगतान करने के लिए आपूर्तिकर्ता को एक चालान भेजेगा। आपूर्तिकर्ता को देय राशि का भुगतान नियत तारीख, जैसे 30-90 दिनों के अनुसार किया जाएगा। इस प्रतिबद्धता के साथ, आपूर्तिकर्ता निर्माता को कच्चे माल की आपूर्ति करेगा। लेकिन अगर आपूर्तिकर्ता को तुरंत धन की आवश्यकता होती है, तो आपूर्तिकर्ता चालान की छूट के माध्यम से, चालान राशि पर छूट के बदले भुगतान के वित्तपोषण के लिए बैंकों / बाहरी फाइनेंसरों का उपयोग कर सकता है। इस प्रकार, जैसे ही चालान जारी किया जाता है और खरीदार द्वारा अनुमोदित किया जाता है, विक्रेता को चालान छूट के साथ बिल राशि के एक महत्वपूर्ण प्रतिशत के लिए तत्काल भुगतान प्राप्त होता है। यह आपूर्तिकर्ता के नकदी प्रवाह प्रबंधन में बहुत सहायता करता है।"

रिटेल निवेशकों के लिए क्रेडएक्स, ओरोवेल्थ और ट्रेडक्रेड जैसे कई प्लेटफॉर्म हैं, जिन्होंने जोखिम और अन्य कारकों के आधार पर चालान छूट में निवेश की सुविधा प्रदान की है। न्यूनतम निवेश राशि प्रत्येक प्लेटफॉर्म के साथ भिन्न होती है, आप इनवॉइस डिस्काउंटिंग प्लेटफॉर्म में कम से कम INR 50K के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं।

निवेश की प्रक्रिया:

1. रिटेल निवेशकों के लिए क्रेडएक्स, ओरोवेल्थ और ट्रेडक्रेड जैसे कोई भी प्लेटफॉर्म में रजिस्टर करना होगा, केवाईसी प्रक्रिया के लिए पैन कार्ड, और बिना मास्क वाला ई-आधार कार्ड आवश्यक दस्तावेज हैं. केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, आप उत्पाद भागीदार के प्लेटफॉर्म पर अपने डिजिटल वॉलेट में निवेश राशि जोड़ सकते हैं, फिर, आप ब्राउज़ कर सकते हैं और अपनी रुचि के इनवॉइस का चयन कर सकते हैं। देय राशि का भुगतान नियत तारीख, जैसे 30-90 दिनों के अनुसार किया जाएगा।
2. चालान भुगतान किए जाने के बाद, यह आमतौर पर उसी तारीख को आपके वॉलेट में जमा हो जाता है। वहां से, आप अपने बैंक खाते में स्थानांतरण का अनुरोध कर सकते हैं।

चालान छूट के माध्यम से उच्च रिटर्न के लिए टिप्स :

i) **इनवॉइस डिस्काउंटिंग के लिए सही प्लेटफॉर्म चुनना** - कुछ प्रौद्योगिकियां इनवॉइस डिस्काउंटिंग प्लेटफॉर्म को सक्षम करती हैं, जो इनवॉइस डिस्काउंटिंग सेवाओं का पूरा विस्तृत विवरण पेश करती हैं। इनमें से कुछ प्लेटफार्मों पर व्यवसाय निवेश से पहले बेहतर ढंग से समझने के लिए वित्तीय रिपोर्ट, शेयरधारकों के विवरण, रिटर्न की आंतरिक दर (आईआरआर), क्रेडिट इतिहास आदि पा सकते हैं।

ii) **शुल्क से अवगत रहें** - कुछ चालान छूट प्लेटफॉर्म आपूर्तिकर्ता और निवेशक दोनों से शुल्क लेते हैं। ये शुल्क कानूनी दस्तावेजों से संबंधित शुल्क, डील प्रोसेसिंग शुल्क और अन्य परिचालन शुल्क को कवर करते हैं। इस तरह की फीस का खुलासा समझौतों में किया जाना चाहिए, और व्यवसायों को निवेश करने से पहले उनके बारे में पता होना चाहिए।

(नोट: चालान छूट (Invoice Discounting) में निवेश मध्यम / उच्च जोखिम का होता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इस योजना में सभी तथ्यों और स्वयं के जोखिम उठाने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए निवेश किया जाना चाहिए।)

यह समय गुजर जाएगा

सत्य नारायण सेन
सहायक अभियंता, आरसीआईएल/एनओएफएन/वड़ोदरा

ना समय कभी ठहरा था,
ना समय कभी ठहरेगा
यह समय जो आया है,
यह समय गुजर जाएगा।

इस समय ने हम सबको,
हर एहसास समझाया है
ज़िंदगी का सार समझाया है
यह संसार समझाया है।

क्यूँ भूल गए थे हम लोग,
यह संसार सबका है
पंछी जानवर पेड़ पहाड़,
थोड़ा उनका भी हिस्सा है।

अब गिलहरी भी दौड़ लगाती है,
अब कोयल भी गीत गुनगुनाती है
अब नदियाँ भी अपने स्वच्छ जल पर इतराती हैं,
अब मोरनी भी अपने पंख चारों तरफ लहराती हैं।

अब तो जाग़ो समझो,
इस प्रकृति की काया को
वरना कहीं देर ना हो जाए,
छोड़ो अब सब मोह माया को।

ना समय कभी ठहरा था,
ना समय कभी ठहरेगा
यह समय जो आया है,
यह समय गुजर जाएगा।

रेलटेल उत्तरी क्षेत्र
चंडीगढ़ टेरिटरी : एक झलक एवं विशिष्ट उपलब्धियां

पुष्पेंद्र कुमार
टेरिटरी प्रबंधक /चंडीगढ़

रेलटेल चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय का कार्य क्षेत्र दक्षिण में सोनीपत से उत्तर में श्रीनगर तक और पूर्व में शिमला से पश्चिम में फिरोजपुर/बठिंडा तक फैला हुआ है, जो लगभग 3000 रूट किलोमीटर को कवर करता है। चंडीगढ़ क्षेत्र के तहत ओ.एफ.सी. नेटवर्क भारतीय रेलवे के तीन महत्वपूर्ण मंडलों दिल्ली मंडल, अंबाला मंडल और फिरोजपुर मंडल के अधिकार क्षेत्र में आता है ।

रेलवे मार्ग के साथ साथ ओ.एफ.सी. नेटवर्क, अधिकांश गांवों को कवर करने वाले, विभिन्न ग्रामीण इलाकों से गुजरता है। ओ.एफ.सी. नेटवर्क पानीपत (हथकरघा उद्योग के लिए प्रसिद्ध), करनाल (महाभारत का एक चरित्र करण का शहर), कुरुक्षेत्र (महाभारत का युद्ध क्षेत्र), अंबाला (वैज्ञानिक उपकरणों का शहर), लुधियाना (ऊनी कपड़ों का शहर), अमृतसर (स्वर्ण मंदिर का शहर), जम्मू तवी (मंदिरों का शहर) श्रीनगर (पृथ्वी पर स्वर्ग) जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है।

पूर्व से पश्चिम की ओर, ओएफसी शिमला-कालका (यूनेस्को हेरीटेज रेल रूट), चंडीगढ़ (ब्यूटीफुल सिटी), पटियाला (राजाओं का शहर), बठिंडा और फिरोजपुर जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है। जोकि रेलटेल के लिए भविष्य की व्यापार संभावनाओं से भरा हुआ है।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान चंडीगढ़ टेरिटरी कार्यालय ने सभी पोप्स पर पौधारोपण और आस-पास के क्षेत्र के सौन्द्रीयकरण की तरफ महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। चंडीगढ़ क्षेत्र ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान पॉप(s) / कार्यालय की साफ़ सफाई, कचरा नष्ट / दूर करना तथा पुरानी फाइलों और अभिलेखों के निपटान हेतु आवश्यक कार्य किया गया । मुख्य रूप से जम्मू, ब्यास, अमृतसर, पानीपत, कुरुक्षेत्र और जींद नामक छह पोप्स में उच्च कोटि का सुधार एवं उन्नयन कार्य किया गया है।

रेल रूट पर आधारित ओ.ऍफ़.सी. ने अधिकांश ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को कवर किया है। इसने हमें ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम बनाया है और लगभग 16500 ग्राहक रेलवायर से जुड़ चुके हैं।

चंडीगढ़ टेरिटरी कार्यालय ने क्षेत्र के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों को कनेक्टिविटी प्रदान की है। कुछ सरकारी संस्थानों में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रोहतक), नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (पानीपत), नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (करनाल), आई.सी.ए.आर-नेशनल ब्यूरो ऑफ एनिमल जेनेटिक रिसोर्सेज (करनाल), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कुरुक्षेत्र), भारतीय वायु सेना (अंबाला कैंट), आई.सी.ए.आर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सी.आई.पी.एच.ई.टी.) लुधियाना, सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा संस्थान (कपूरथला), भारतीय प्रबंधन संस्थान (जम्मू), एम्स (जम्मू) , जम्मू और कश्मीर ई-गवर्नेंस एजेंसी (JaKeGA), शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और जम्मू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जम्मू), लद्दाख विश्वविद्यालय (लद्दाख), राष्ट्रीय सूचना केंद्र (शिमला), राष्ट्रीय लेखा परीक्षा और लेखा अकादमी (शिमला), हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान (शिमला), एस.ए.ए.स.ई. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (चंडीगढ़), हारट्रॉन (चंडीगढ़), उप-आयुक्त कार्यालय (पटियाला), एम्स (बठिंडा) समेत कई बड़े कार्यालय शामिल हैं।

चंडीगढ़ टेरिटरी टीम ने अतीत में भी नए बिजनेस और नेटवर्क के संचालन और रखरखाव के मामले में निरंतर कार्य किया है। जुलाई 2022 से दिसंबर 2022 तक चंडीगढ़ टेरिटरी टीम ने अपने व्यापार संवर्धन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में नए व्यवसाय उत्पन्न करने के लिए अग्रणी प्रयास किए हैं जिनका विवरण निम्नलिखित है:

जम्मू और कश्मीर राज्य में, भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू के लिए वाई-फाई सेवाओं की शुरुआत, कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाएं, जम्मू के लिए डाटा सेंटर सेवाएं, जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड (जे.एस.सी.एल.) के लिए ओवरहेड ओ.एफ.सी. बिछाने का काम और विशेष रूप से कश्मीर घाटी क्षेत्र में रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाओं की शुरुआत की है।

पंजाब राज्य में एक ओर आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान आजादी की रेल गाड़ी और रेलवे स्टेशन प्रोग्राम के अंतर्गत सुनाम और खटखटकलां में सफलतापूर्वक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की गई, तो दूसरी ओर एम्स बठिंडा में लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, कॉलेज मैनेजमेंट सिस्टम को सफलतापूर्वक लागू किया गया। रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में 20 किलो मीटर भूमिगत ओ.ऍफ़.सी. बिछा कर रेलवायर ब्रॉडबैण्ड सेवाएं सफलतापूर्वक शुरू की गई।

हिमाचल प्रदेश राज्य में ऊना रेलवे स्टेशन से प्रधानमंत्री द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक किया गया। ऊना हिमाचल दौलतपुर सेक्शन में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाएं सफलतापूर्वक शुरू की गईं ।

हरियाणा राज्य में, हमें पूरे हरियाणा स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (HSWAN) के रखरखाव और संचालन के लिए राज्य द्वारा संचालित एजेंसी हार्ट्रोन से ऑर्डर मिला है। साथ ही हमने 75वें वार्षिक निरंकारी संत समागम समालखां, पानीपत के लिए कनेक्टिविटी प्रदान की थी, जहां देश के विभिन्न हिस्सों से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इकट्ठे हुए थे।

इसके अतिरिक्त चंडीगढ़ टेरिटरी ने सफलतापूर्वक हरियाणा पुलिस के 99 पुलिस स्टेशनों को रेलवायर मॉडल पर जोड़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में रेलवायर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की है।

कार्यकारी निदेशक, उत्तरी क्षेत्र सुश्री विजयलक्ष्मी कौशिक महोदया ने समय-समय पर चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया है और सभी कार्यकारियों को प्रोत्साहित करके उन सब का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने दिनांक 06.08.2022 को चंडीगढ़ पीओपी के निरीक्षण के साथ पौधरोपण भी किया।

कार्यकारी निदेशक उत्तरी क्षेत्र के नेतृत्व में हरियाणा राज्य सरकार द्वारा संचालित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, सोनीपत , हरियाणा के साथ सुचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की सेवाओं के लिये दिनांक 18.08.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

रेलटेल चंडीगढ़ टेरिटरी कार्यालय रेल संचालन और नेटवर्क प्रणाली के आधुनिकीकरण के अलावा टेरिटरी के सभी भागों में नेटवर्क प्रदान करने में सक्षम है। इसके साथ साथ उच्च क्षमता नेटवर्क को विभिन्न मोर्चों पर सेवाएं देने के लिए अपने नेटवर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में काम कर रहा है।

चंडीगढ़ टेरिटरी अपने ग्राहकों को निरंतर सर्वश्रेष्ठ दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने के लिए सदैव प्रगतिशील है । हम अपने नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को प्रभावी ढंग से और कुशलता से प्रबंधित एवं रख - रखाव करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि अपने ग्राहकों को उद्योग ग्रेड सेवाएं प्रदान की जा सकें।

रेलटेल, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 24.08.2022 को रेलटेल, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा के व्यवहारिक पक्ष विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री संजीव कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक/भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण एवं सदस्य सचिव नराकास उपक्रम-1 ने कार्यपालकों को राजभाषा के प्रयोग की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की ।

संघर्ष

आपकी क्षमता को बढ़ाता है, आपको सफलता के और करीब लाता है।

विदाई

विक्रम सिंह
निजी सहायक, कॉर्पोरेट कार्यालय

कन्यादान हुआ जब पूरा, आया समय विदाई का ।।
हँसी-ख़ुशी सब काम हुआ था, सारी रस्म अदाई का ।

बेटी के उस कातर स्वर ने, बाबुल को झकझोर दिया।।
पूछ रही थी पापा तुमने, क्या सचमुच मुझको छोड़ दिया।

अपने आँगन की फुलवारी, मुझको सदा कहा तुमने।।
मेरे रोने को पल भर भी, बिल्कुल नहीं सहा तुमने।।

क्या इस आँगन के कोने में, मेरा कुछ स्थान नहीं।।
अब मेरे रोने का पापा, तुमको बिल्कुल ध्यान नहीं।।

देखो अंतिम बार देहरी, लोग मुझे पुजवाते हैं।।
आकर के पापा क्यों इनको, आप नहीं धमकाते हैं।।

नहीं रोकते चाचा ताऊ, भैया से भी आस नहीं।।
ऐसी भी क्या निष्ठुरता है, कोई आता पास नहीं।।

बेटी की बातों को सुन के, पिता नहीं रह सका खड़ा।।
उमड़ पड़े आँखों से आँसू, बदहवास सा दौड़ पड़ा।।

कातर-बछिया सी वह बेटी, लिपट पिता से रोती थी।।
जैसे यादों के अक्षर वह, अश्रु बिंदु से धोती थी।।

माँ को लगा गोद से कोई, मानो सब कुछ छीन चला।।
फूल सभी घर की फुलवारी से कोई ज्यों बीन चला।।

छोटा भाई भी कोने में, बैठा-बैठा सुबक रहा।।
उसको कौन करेगा चुप अब, वह कोने में दुबक रहा।।

बेटी के जाने पर घर ने, जाने क्या-क्या खोया है।।
कभी न रोने वाला बाप, आज फूट-फूट कर रोया है।।

'कु-शासित लंका'

डी०डी० कुशवाहा
उप-प्रबंधक, तकनीकी

प्रभु श्री राम ज्ञानी थे, राक्षस राज रावण भी ज्ञानी था।
राम को शस्त्र और शास्त्र दोनो का ज्ञान था, रावण को भी शस्त्र और शास्त्र दोनो का ज्ञान था।।

राम श्रेष्ठ धनुर्धर और महान क्षत्रिय थे,
रावण श्रेष्ठ योद्धा और प्रकांड पंडित था।

राम एक मर्यादित उत्तम पुरुष थे,
रावण एक मर्यादित आत्मनि ग्रही असुर था।।

राम को अभिमान का ज्ञान था और रावण को ज्ञान का अभिमान।

लेकिन,

राम की नैतिकता में छल था और रावण के छल में नैतिकता।।

"चरित्र-सम्मान" एक स्त्री का धरोहर है, अभिमान है;
और 'चरित्र-दोहन' उसका अपमान।।

माँ सीता का अपमान किसने किया,
मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने या अहंकारी रावण ने ?

माँ सीता की पवित्रता पे प्रश्न किसने किया,
श्री राम ने या अहंकारी रावण ने ?

माँ सीता के मन में क्या है, किसने पूछा किसने जाना,
श्री राम ने या अहंकारी रावण ने ?

अपने अल्पज्ञान से, जहां तक मैं समझ पा रहा हूँ,

"माँ सीता का नारीत्व,
मानवों के नगर सु-शासित अयोध्या से ज़्यादा,

दानवों के नगर कु-शासित लंका में सुरक्षित रहा।।

कोई भी 'पिता' अपनी 'बिटिया' का तिरस्कार नहीं चाहेगा,

कलि युग का 'जनक' अपनी "सीता का कन्यादान"
'असुर रावण' को नहीं करेगा किंतु,

शायद, मर्यादा पुरुषोत्तम 'भगवान श्री राम' को भी नहीं करना चाहेगा।

अहिंसा

चैताली पाँडे
वरिष्ठ प्रबंधक, पूर्वी क्षेत्र

अहिंसा का अर्थ है - शब्दों से, विचारों से और कर्मों से किसी को अकारण हानि नहीं पहुँचाना। सभी धर्मों में अहिंसा का उल्लेख है। कहा भी गया है–

"अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव च।"

अर्थात अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है और धर्म रक्षार्थ हिंसा भी उसी प्रकार श्रेष्ठ है)

अहिंसा को एक कहानी से समझते हैं:

एक बार की बात है, एक छोटा सा गाँव था जिसकी आबादी बहुत कम थी। वहाँ, गाँव के बाहर एक पेड़ पर एक बड़ा फनदार विपैला सांप रहता था। सांप बच्चों और गांव के अन्य लोगों को आतंकित करता था। एक दिन गाँव में एक साधु आया। उसने यह सब देखा और अपनी शिक्षाओं को सांप को साझा करने का फैसला किया। साधु सांप के पास गया और उससे कहा कि "तुम्हे हिंसा नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह आपके विकास को रोकने वाला है"। एक साल बाद साधु फिर से गांव आया और उसने देखा कि मजबूत और शक्तिशाली सांप एक पतले, कुपोषित और अक्षम में बदल गया है। साधु ने सांप से पूछा "तुम्हें क्या हुआ?" सर्प ने उत्तर दिया "मैंने तुम्हारी शिक्षाओं को हृदय से लगा कर गाँव के लोगों को परेशान करना बंद कर दिया, लेकिन उन्होंने इसे हल्के में लिया और उन्होंने मुझ पर पत्थर फेंके, मैं उनसे इतना डर गया कि मैं भोजन की तलाश में बाहर भी नहीं जा सका। यह सुनकर साधु कहते हैं, "मैंने तुम्हे हिंसा के खिलाफ सलाह दी थी लेकिन मैंने फुफकारना बंद करने के लिए नहीं कहा था "।

कहानी का सारः अपनी और दूसरों की रक्षा करना अहिंसा का उल्लंघन नहीं है।

हमें अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, हमें दूसरों से अपमान नहीं लेना चाहिए, जब दूसरे हम पर उंगली उठाते हैं तो हमें खड़ा होना चाहिए। लेकिन साथ ही हमारा हृदय प्रेम से भरा होना चाहिए, हमारे जीवन का सार प्रेम और करुणा का होना चाहिए।

आज के समय में जाने-अनजाने में हम अपने मन में दूसरों पर हिंसा दिखाते हैं, जैसे की:

- निर्णय (Judgement),
- आलोचना (criticise),
- चिड़चिड़ापन (Irrritability), और
- दोष / आक्रोश (Blame of Resentment).

हम इन सब के इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि हमारे दिमाग में यह सब अपने आप चलने लगता है। आइए हम अपने मन में चल रहीं हिंसा की जिम्मेदारी ले, हम किसी पर नाराज़ न हों, हम पीठ पीछे किसी की बुराई ना करें, बात बात पर चिड़चिड़ाएं नहीं, अपनी गलतियों के लिए किसी को दोष न दें।

दूसरों के साथ ही नहीं, हम अपने शरीर के साथ भी हिंसा करते हैं, गलत प्रकार के उत्तेजक पदार्थों का सेवन करके:

- शराब/ तंबाकू (Alcohol Tobacco),
- अस्वास्थ्यकर खाना (Junk/Processed food), और

- चाय / कॉफी (Teal coffee).

खुद के और दूसरे के बारे में हिंसा का विचार भी न लाने से चित्त में स्थिरता आती है। परपीड़क और स्वपीड़क न बने। ऐसा सोचने और करने से सकारात्मक उर्जा का जन्म होता है। सकारात्मक ऊर्जा से आपके आस-पास का महौल भी खुशनुमा होने लगता है। यह खुशनुमा माहौल है किसी के जीवन में कष्ट नहीं आने देता।

योग की शुरुआत भी अहिंसा से होती है। योग के निम्नलिखित आठ अंग या शाखाएँ हैं;

1. यम, 2. नियम, 3. आसन, 4. प्राणायाम, 5. प्रत्याहार, 6. धारणा 7. ध्यान 8. समाधि

"यम", योग की पहली शाखा है, जो एक कर्तव्य या पालन है जिसके द्वारा व्यक्ति सामाजिक नैतिकता की अभिव्यक्ति करता है।

यम के भी पांच हिस्से हैं-

1. अहिंसा, 2. सत्य, 3. अस्तेय, 4. ब्रह्मचर्य, 5. अपरिग्रह क्रमशः,

यह सभी किसी व्यक्ति के नैतिक आचरण को ऊंचा करने के लिए किए जाने वाले महान व्रत हैं।

हम सभी आज से ही अहिंसा के इस व्रत को अपने जीवन में शामिल करें, इसका पालन करने का प्रयास करें और एक सभ्य समाज का निर्माण करें।

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली

निखिल भटवलकर
प्रबंधक (तकनीकी), पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई

वर्तमान आईटी युग में, निर्बाध सेवा प्रदान करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवा समय की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, रेलटेल भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सी-डैक (ई सुश्रुत) को अखिल भारतीय अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) को लागू करने का काम सौंपा गया है।

एचएमआईएस समाधान लगभग 20 मॉड्यूल के साथ नैदानिक देखभाल के साथ-साथ अस्पताल प्रशासन के पूरे सरगम को समाविष्ट करने जा रहा है जो रेलवे अस्पतालों के लिए प्रासंगिक हैं। मॉड्यूल ओपीडी, आईपीडी, लैब्स, ओटी, ब्लड बैंक, फार्मेसी, रेफरल, मेडीकल परीक्षा और मेडीकल दावों की प्रतिपूर्ति आदि जैसे अस्पताल प्रबंधन की मुख्य और सहायक आवश्यकताओं दोनों को समाविष्ट करता है।

चिकित्सा लाभार्थियों को सशक्त बनाने के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जो मरीजों को अपने इलेक्ट्रॉनिक मेडीकल रिकॉर्ड (ईएमआर) को कहीं से भी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इस ऐप के माध्यम से टेली-कंसल्टेशन, लैब रिपोर्ट प्राप्त करना, रोगी को दी जाने वाली दवाएं आदि जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। इस ऐप पर स्वयं पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध है।

यह प्रणाली स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के साथ पूरी तरह से एकीकृत है। HMIS को भारतीय रेलवे की विभिन्न अन्य डिजिटल पहलों जैसे कि यूनिक मेडीकल आईडी (UMID), IPASS और ARPAN आदि के साथ जोड़ा गया है और आवश्यकता के अनुसार इस तरह के एकीकरण को आगे बढ़ाने में सक्षम है।

स्वास्थ्य डेटा का डिजिटलीकरण जो रेलवे स्वास्थ्य सेवा लाभार्थियों की विशिष्ट चिकित्सा आईडी (यूएमआईडी) के माध्यम से सुलभ है, स्वास्थ्य सेवाओं को परेशानी मुक्त और पारदर्शी बनाने जा रहा है। रोगी एचएमआईएस ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड को स्कैन करके ओपीडी अपॉइंटमेंट ले सकते हैं इससे लगभग 1 करोड़ रेलवे स्वास्थ्य लाभार्थियों को रोगी देखभाल और रोगी सेवाओं में सुधार होगा।

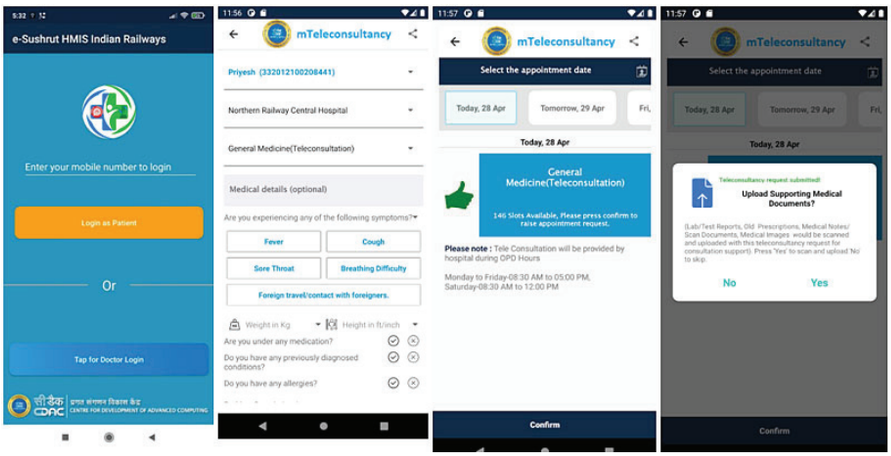

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के लाभ:

1. रोगी डेटा तक आसान पहुंच।
2. प्रभावी लागत।
3. बढ़ी हुई डेटा सुरक्षा और पुनर्प्राप्ति-क्षमता।
4. बेहतर परिचालन प्रभावशीलता।

गाड़ी बुला रही है....

अनूप मनूचा
सहायक महाप्रबंधक, भोपाल

प्रख्यात छाया चित्रकार रघु राय की फोटोग्राफ में एक वाष्प रेल इंजन की पृष्ठभूमि में ताजमहल दिखाया गया है। वाष्प इंजन जैसे एकदम सजीव, ऊर्जा से भरा हुआ, दो रेलवे कर्मचारियों के सम्पूर्ण नियंत्रण में एक जीवित दैत्य जो कोयला और पानी खा कर पटरी पर दौड़ने के लिए तैयार हो। सुस्ताता सा वाष्प इंजन भले ही फुर्सत में रेलवे प्लेटफार्म पर खड़ा हो, लोगों का एक समूह खड़ा उसकी तरफ निहारता दिख जाएगा। डीज़ल और बिजली के रेल इंजन भले ही अधिक गतिमान या ऊर्जा कुशल हों, लेकिन यह बात बिजली या डीज़ल इंजन में नहीं आ सकती। अप्रैल 16, 1853 से प्रारम्भ हुई रेलवे ने जन मानस में जो अपनी जगह बनाई है, उसे इस बात से समझा जा सकता है कि गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है का गीत ध्यान में आते से, रेलगाड़ी की सीटी सुनायी देने लगती है। बोलचाल की भाषा में रेल और सम्बंधित शब्द इतने समाहित हैं जैसे "ज़िंदगी पटरी पर कब आएगी", रेल की पटरी पर सिक्का रखकर रेल का इंतज़ार भारत में बचपन के साथ जुड़ा एक रोमांचकारी अनुभव है तो कोयले के इंजन से चलती बिना सलाखों के डिब्बों की खिड़की वाली लकड़ी की सीट से बाहर

झांकते आंख में कोयला पड़ने की स्मृतियाँ उस पीढ़ी की धरोहर हैं जिन्होंने कोयले की छुक छुक गाड़ी के गीत बचपन में गाये हैं। हरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और गुलज़ार के संगीत में अशोक कुमार की आवाज़ में 1968 में बनी फिल्म आशीर्वाद का वो गीत जैसे कैलिडोस्कोप जैसा रेल से दीखता दृश्य आज भी जीवंत कर देता है। बालू रेत आलू के खेत, बाजरा धान बुड्ढा किसान, हरा मैदान मन्दिर मकान, चाय की दुकान, पुल पगडण्डी टीले पे झण्डी, पानी के कुण्ड पंछी के झुण्ड, झोपड़ी झाड़ी खेती बाड़ी, बादल धुआं मोठ कुआं, कुएं के पीछे बाग़ बगीचे, धोबी का घाट मंगल की हाट, गाँव में मेला भीड़ झमेला, टूटी दिवार टट्टू सवार। अशोक कुमार की आवाज़ में यह गीत रेल यात्रा का सबसे जीवंत वृत्तांत है।

जब कोई यात्रा पर जा रहा हो तो उसे स्टेशन छोड़ने जाना कितना सुखद सामाजिक काम था, कि जाने वाला रेल चलना शुरू होने के बाद तब तक टाटा करता था जब तक ट्रेन प्लेटफार्म से पूरी बाहर न हो जाए, या प्लेटफार्म से झुक कर आती गाड़ी की टोह लेना, हमारी सामाजिकता का अभिन्न अंग रहे हैं। कम्प्यूटरीकरण के पूर्व आरक्षण में आधे घंटे से अधिक का समय लगता था और यात्रा के साथ आरक्षण टिकट अलग से जारी होता था, जिसपर लिखी शयिका का नंबर केवल ट्रेवल टिकट इंस्पेक्टर ही समझ पाता था। आज रेल के समय सारिणी के अनुरूप गाड़ियों का चलना संतोषजनक हो चला है, एक समय में एक मज़ाक प्रसिद्द था, जब एक गाड़ी प्लेटफार्म पर समय से पूर्व आ गयी तो पता चला यह वास्तव में बीते हुए कल आने वाली गाड़ी थी जो आज आयी है।

रेलवे की समग्रता में भी एक व्यापक और रोचक विविधता है। यदि सबसे लम्बी दूरी 4273 तय करने वाली विवेक एक्सप्रेस (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) है तो सबसे कम दूरी तय करने वाली भारतीय रेल कोंच-शटल उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केवल 30 किलोमीटर चलती है। 35 मिनिट में यह यात्रा न्यूनतम किराये अर्थात प्लेटफार्म की कीमत पर की जा सकती है। इसी प्रकार यदि बिना रुके चलने वाली एर्नाकुलम-हज़रत निजामुद्दीन दूरंतो एक्सप्रेस 44 घंटे में इन दो स्टेशनों के बीच की दूरी 2143 किलोमीटर तय करती है, तो नागपुर भुसावल एक्सप्रेस नागपुर से अपने अगले स्टेशन अजनी रूकती है। नागपुर और अजनी स्टेशनों के बीच की दूरी केवल 3 किलोमीटर है।

अनेक अविश्वसनीय तथ्यों के समेटे, अमावस की अँधेरी बरसात की रात में एक टॉर्च और एक लम्बे हत्थे की हथौड़ी लेकर रेल पटरी पर पैदल चलकर पटरी के सुरक्षित होने की जांच करता गैंगमैन हो, ट्राली में बैठकर ट्रैक की जांच करता अधिकारी, रात भर टिकट की जाँच करता परीक्षक, रेल के प्लेटफार्म पर प्रवेश करते समय चौकन्नी निगाहों से पहियों की जांच करते उंकडू बैठे कर्मचारी, या रेल की विशाल संपत्ति की निगरानी करते वर्दीधारी, छोटे बड़े स्टेशनों पर हरी और लाल झंडी लिए सफ़ेद कपड़ों में स्टेशन मास्टर, रेलवे को एक सुनियोजित संस्थान का स्वरुप देते हैं।

रेल से नागरिक का रिश्ता बड़ा जीवंत है, खिड़कियों की सलाखों से टंगे दूध के डब्बे हों या कपलिंग पर भरी हुई चोरी की लकड़ी, बिना टिकट पकडे जाने पर गेट या गाड़ी में मनुहार, प्लेटफार्म पर सीट या शयिका के लिए टाई लगाए रेल कर्मचारी से चिरौरी, प्लेटफार्म से पानी बोतल में भरकर सीटी की आवाज़ पर डब्बे की तरफ दौड़ना, लोकल में भजन मण्डली, रात के सन्नाटे में डब्बे में पुलिस की गश्त, गाड़ी का समय पूर्व पहुँच कर आउटर पर खड़े हो कर लेट होना भी जीवन का हिस्सा रहा है भारत में।

जिन दिनों सवारी गाड़ियों के डिब्बों की खिड़कियों में सरिये नहीं होते थे, दरवाज़े पर भीड़ के समय यही खिड़कियां आवागमन का मार्ग होती थीं। लोहे के ट्रंक से चलकर मोल्डेड लगेज तक पहुँचने के बीच कपडे से ढंकी अटैचियाँ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सहगामिनी रही हैं। पीने के पानी के लिए सुराही, या फिर रेल की खिड़की से बंधी छागल, रेल और यात्री के बीच एक लम्बे समय तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। गाड़ियों के आगमन और प्रस्थान की सूचना के स्वचालित प्रदर्शन के बोर्ड के पूर्व एक काले रंग की बड़ी तख्ती पर चॉक से लिखी सूचना ही यात्रियों का सहारा थी

और प्लेटफार्म पर तंगी बड़ी पीतल की घंटी जिसके बजने पर पता लगता था कि गाड़ी आने वाली है। सफर भले थोड़े समय का हो, आलू पूड़ी और अचार रेल यात्रा का एक स्थाई मीनू रहा है। जब आई आर सी टी सी नहीं था तब भी स्थानीय बेरोज़गार मौसम के अनुसार रेल में मौसमी फल, चना मसाला इत्यादि उन यात्रियों का सहारा थे जो साथ कुछ खाने को नहीं ला पाए हों। रेलवे के प्लेटफार्म के स्थायी आकर्षण रहे हैं ए एच व्हीलर का पुस्तक स्टाल, प्लेटफार्म पर पड़ी काले रंग की पेटियां जिनपर गार्ड के नाम सफ़ेद रंग से लिखे होते थे, गाड़ी में लदने के लिए तैयार सब्जियां, अख़बार के बण्डल, एक कोने में आर एम एस का छंटाई कार्यालय और, और हाथ ठेले जिनपर यात्रा से सम्बंधित हर सामान जैसे, चेन, ताले, हवा भरने वाले तकिये, साबुन, टूथब्रश बच्चों के खिलौने मिलते हैं। प्लेटफार्म पर बिकने वाले खाद्य पहले पत्ते के दोने पर फिर अखबार के टुकड़ों से चलकर आज पॉलिथीन तक एक लम्बा सफर तय कर आये हैं। चाय पर कुल्हड़ का एकाधिकार काफी समय तक रहा, पेपर कप के ज़माने में भी उनकी ससम्मान वापसी रेल के इतिहास का हिस्सा हैं। रेल से जुड़े शब्द कैसे जीवन का हिस्सा बन गए हैं इस बात से स्पष्ट है कि तृतीय श्रेणी में पास होने को गाँधी क्लास आज भी कहा जाता है जबकि गांधीजी को तृतीय श्रेणी में यात्रा किये एक बहुत लम्बा अरसा हो चुका है।

तकनीक और विज्ञानं का संगम रेलवे सिर्फ एक यातायात का साधन नहीं है, यह लोगों को, मकसद को, तीर्थ को,पर्यटन को व्यापार वाणिज्य को जोड़ने के साथ एक सतत् आमंत्रण हैएक रोमांचक यात्रा का, पीछे की तरफ भागते वृक्षों, सिग्नल के खम्भों, खिड़की से हवा के झोंको, सीटी की आवाज़, लक्ष्य की ओर बढ़ने का, जो आनंद बक्शी के शब्दों में और किशोर कुमार की आवाज़ में सबसे अच्छा व्यक्त होता है "गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है।"

एक माटी का दिया है
जो सारी रात अँधियारे से लड़ता है
तू तो भगवान का दिया है
तू किस बात से डरता है
हथेली पर रखकर नसीब
तू क्यूँ अपना मुकद्दर ढूँढता है
सीख उस समंदर से
तो टकराने के लिए पठार ढूँढता है

रेलटेल 6,100 से अधिक रेलवे स्टेशनों को कवर करने वाली वाई-फाई परियोजना का मोनिटाइज़ करेगा

रेलटेल ने 3 जनवरी 2023 को घोषणा की है कि उसने पूरे भारत में 6,100 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर अपनी वाई-फाई परियोजना के मुद्रीकरण के लिए एक प्रौद्योगिकी फर्म के साथ करार किया है। रेलटेल ने मुंबई स्थित वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी 3i इंफोटेक लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के साथ पांच साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंसोर्टियम के अन्य सदस्य फोरेंसिक इंटेलिजेंस सर्विलांस एंड सिक्योरिटी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (एफआईएसएसटी) और येलो इंक हैं।

अनुबंध के तहत, लक्षित विज्ञापनों के माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क में से एक में वाई-फाई फुटफॉल का मुद्रीकरण और रेल यात्रियों के लिए मल्टीमीडिया इन्फोटेनमेंट सेवाओं का विस्तार करके राजस्व उत्पन्न किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि यह सहयोगी प्रयासों के माध्यम से सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के कैप्टिव ग्राहकों के मुद्रीकरण के लिए भारत का पहला बहु-वर्षीय वाणिज्यिक समझौता है। अनुबंध के अनुसार, 3i इन्फोटेक के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम रेलटेल को प्रति वर्ष 14 करोड़ रुपये या अर्जित राजस्व का 40 प्रतिशत (जो भी अधिक हो) का भुगतान करेगा।

3i इंफोटेक के अनुमान के अनुसार, राजस्व मुख्य रूप से विज्ञापन और सामग्री/सेवा-आधारित राजस्व द्वारा समर्थित

होगा और परियोजना से समेकित राजस्व क्षमता पांच साल की अवधि में 250 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। रेलटेल का सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क अब पूरे भारत में 6,108 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है और प्रतिदिन 1.1 मिलियन से अधिक अद्वितीय उपयोगकर्ताओं को रिकॉर्ड करता है। बयान में कहा गया है कि इस सहयोगी सौदे के साथ, स्टेशन वाई-फाई उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल अनुभव विकसित करने के लिए तैयार है।

रेलटेल ने सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही में 440 करोड़ रुपये की एकीकृत आय दर्ज की थी। यह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 385 करोड़ रुपये की समेकित आय में 14 प्रतिशत की वृद्धि है। छमाही के लिए कंपनी की समेकित आय 825 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में आय 696 करोड़ रुपये थी।

इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित एक्सप्रेस कंप्यूटर कार्यक्रम में रेलटेल को डेटा सेंटर चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया

रेल मंत्रालय के मिनी रत्न पीएसयू रेलटेल को इस महीने की शुरुआत में इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित एक्सप्रेस कंप्यूटर कार्यक्रम में डेटा सेंटर चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रेलटेल के गुरुग्राम (हरियाणा-एनसीआर) और सिकंदराबाद (तेलंगाना) में स्थित अपने दो डेटा सेंटर हैं और कई सरकारी संगठनों / विभागों / पीएसयू को संतोषजनक सेवा प्रदान करते हैं। डेटा सेंटर डिज़ाइन के सभी प्रमुख घटक जैसे राउटर, स्विच, साइबर सुरक्षा सिस्टम, अगली पीढ़ी के फायरवॉल, स्टोरेज सिस्टम, सर्वर, नेटवर्क और एप्लिकेशन-डिलीवरी कंट्रोलर आदि अत्याधुनिक/नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हैं और अपने संबंधित वर्ग में सर्वश्रेष्ठ हैं।

सिकंदराबाद डेटा सेंटर रेलटेल और भारतीय रेलवे का पहला डेटा सेंटर है, और अपटाइम इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा डिजाइन और सुविधाओं के लिए टियर -3 प्रमाणन के साथ देश का आठवां डेटा सेंटर है।

रेलटेल डेटा सेंटर क्लाउड सेवा प्रदाता के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सूचीबद्ध हैं।

डेटा केंद्रों के माध्यम से, रेलटेल को-लोकेशन, डेडीकेटेड होस्टिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजास्टर रिकवरी साइट सर्विसेज, अन्य आईटी/सिक्योरिटी संबंधित सेवाएं जैसे लोड बैलेंसिंग सर्विसेज, एप्लिकेशन होस्टिंग, बैंडविड्थ सर्विसेज, एडवांस्ड नेक्स्ट जेनरेशन फायरवॉल सर्विसेज, आधार आइडेंट सर्विसेज, वीपीएन सर्विसेज, एंडपॉइंट सिक्योरिटी सर्विसेज, वेब एप्लिकेशन फ़ायरवॉल सर्विसेज आदि जैसी कई सेवाएं प्रदान कर रहा है।

रेलटेल डेटा सेंटर का अपना सुरक्षा संचालन केंद्र भी है जो अन्य सरकारी डेटा सेंटर सेवा प्रदाताओं की तुलना में इसे अद्वितीय बनाता है।

रेलटेल की हेल्पडेस्क और तकनीकी सहायता टीम अपने ग्राहकों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए 24x7 उपलब्ध है, जिसमें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रमुख सरकारी सार्वजनिक उपक्रम और निजी क्षेत्र के संगठन शामिल हैं।

रेलटेल को यह पुरस्कार स्टेक होल्डिरों को विशिष्ट लाभ प्रदान करने एवं डेटा सेंटर डोमेन में प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम उपयोग के प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

रेलटेल की डेटा सेंटर सेवाएं ग्राहकों को बुनियादी ढांचे की दक्षता बढ़ाने, व्यवसाय दक्षता में सुधार करने, परिचालन खर्चों को अनुकूलित करने और स्केलेबिलिटी और डेटा सेंटर गोपनीयता में सुधार करने में मदद करती हैं। हमारे डेटा सेंटर केवल भारत में स्थित हैं और इसलिए क्लाउड सेवाएं / डेटा केवल भारतीय जियोग्राफी में रहता है, जो भारत में सरकारी डेटा को संग्रहीत करने के लिए भारत सरकार के निर्देश को पूरा करता है"।

रेलटेल ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 में एक प्रभावशाली स्टाल लगाया

रेलटेल ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 1-4 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 (आईएमसी-2022) के छठे संस्करण में एक प्रभावशाली स्टाल लगाया। IMC-2022, एशिया में अग्रणी डिजिटल कार्यक्रम, दूरसंचार विभाग भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया, जिसने भारत में 5जी सेवाओं का शुभारंभ किया।

रेलटेल 5जी तकनीक का लाभ उठाने के लिए भी कमर कस रहा है और आईएमसी में इसके स्टॉल ने पोस्टर और पैनल के माध्यम से अपने उत्पादों और सेवाओं को नवीनतम तकनीक के अनुरूप और आईएमसी-2022 की थीम के अनुरूप दर्शाया है, जिसका नाम है 'एनकैप्सुलेट, एंगेज एंड एक्सपीरियंस ए न्यू डिजिटल यूनिवर्स'।

श्रीमती अरुणा सिंह, अपर सदस्य/टेली, रेलवे बोर्ड, विभिन्न मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, रेलटेल उद्योग के दिग्गज और आम जनता ने स्टाल का दौरा किया और कई प्रश्न और बातचीत उत्पन्न हुई।

चित्रित परियोजनाओं में शामिल हैं: स्टेशन वाई-फाई परियोजना, अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली, रेलवे प्रदर्शन नेटवर्क, मांग पर सामग्री, ई-ऑफिस, एचडी-वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वीडियो निगरानी प्रणाली, डेटा सेंटर सेवाएं, रेलवायर ब्रॉडबैंड, लीज लाइन, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क, इंटरनेट लीज्ड लाइन, कंसल्टेंसी सर्विसेज, सिग्नलिंग सर्विसेज, रैक एंड स्पेस को-लोकेशन, टॉवर को-लोकेशन, वॉयस कैरिज और आधार आधारित सेवाओं के लिए एनएलडी। यह भी उल्लेख किया गया था कि रेलटेल भारत नेट, राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क और पीएम-वानी जैसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना को निष्पादित कर रहा है।

स्टाल भारतीय रेलवे के लिए डिजिटल परिवर्तन और सिग्नलिंग और दूरसंचार के आधुनिकीकरण में अपनी ब्रॉडबैंड सेवाओं "रेलवायर" के माध्यम से देश में हाई स्पीड इंटरनेट प्रदान करने में रेलटेल की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

रेलटेल की संपत्ति और विशेषज्ञता के बारे में जानकारी भी प्रदर्शित की गई जैसे रेलवे ट्रैक के साथ 61000+आरकेएम के अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क, देश के महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों में ओएफसी नेटवर्क का कवरेज और कई ग्रामीण क्षेत्रों में 21000+ किमी सिटी एक्सेस नेटवर्क, लगभग 11000+ प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस, 1100+ टेलीकॉम टावर, टू टियर-III प्रमाणित डेटा सेंटर, MeitY पैनल में शामिल रेलक्लाउड, विशेष सुरक्षा संचालन केंद्र है। स्टाल में आत्म निर्भर भारत और डिजिटल इंडिया थीम पर भी प्रकाश डाला गया।

रेलटेल ने एमपीएलएस-वीपीएन कनेक्टिविटी कार्य के लिए एसईसीएल से ऑर्डर प्राप्त किया

रेल मंत्रालय के तहत सीपीएसयू, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को एमपीएलएस-वीपीएन (मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग-वर्चुअल) के काम के लिए कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से ऑर्डर मिला है।

रेल मंत्रालय के तहत सीपीएसयू रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को एस.ई.सी.एल कमांड एरिया के तहत 529 स्थानों के लिए एमपीएलएस-वीपीएन (मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग-वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) कनेक्टिविटी के काम के लिए कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से ऑर्डर मिला है। वर्क ऑर्डर की कीमत 186.19 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) है।

एस.ई.सी.एल. एक मिनीरत्न पी.एस.यू. है और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों में से एक है। यह भारत में सबसे अधिक कोयला उत्पादक कंपनी है। एस.ई.सी.एल की कोयला खदानें दो राज्यों छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में फैली हुई हैं।

प्रदान किए गए कार्य आदेश में नेटवर्क उपकरण, यूपीएस और रैक की स्थापना के साथ-साथ एस.ई.सी.एल. में एक MPLSVPN नेटवर्क का निर्माण शामिल है और ओ.एफ.सी. और आर.एफ.-आधारित अंतिम मील मीडिया के माध्यम से सभी स्थानों को जोड़ना भी शामिल है। रेलटेल विशेष रूप से एस.ई.सी.एल. के लिए एक नेटवर्क संचालन केंद्र का निर्माण/उन्नयन भी करेगा जो पूरे स्थानों की निगरानी करेगा।

MPLS VPN का उपयोग दिल्ली और मुंबई डेटा सेंटर में होस्ट किए गए एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्ट वेयर तक पहुंचने के लिए किया जाएगा। सीआईएल सहायक कंपनियों के लिए रेलटेल द्वारा बनाया गया यह MPLS-VPN नेटवर्क बड़े पैमाने पर कोलइंडिया लिमिटेड में एकल उदाहरण ईआरपी प्रणाली की मेगा परियोजना के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिसे दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्टपैशन' के रूप में नामित किया गया है। ईआरपीसीआईएल को वास्तविक समय के निर्णय लेने, उत्पादकता बढ़ाने और लागत को कम करने की सुविधा प्रदान करेगा।

एमपीएलएस वीपीएन का उपयोग दिल्ली और मुंबई डेटा सेंटर में होस्ट किए गए एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर तक पहुंचने के लिए किया जाएगा. कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों के लिए रेलटेल द्वारा बनाया गया यह एमपीएलएस-वीपीएन नेटवर्क बड़े पैमाने पर कोल इंडिया लिमिटेड में सिंगल इंस्टेंस ईआरपी सिस्टम की मेगा परियोजना के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिसे 'प्रोजेक्ट पैशन' के रूप में नामित किया गया है, जो दक्षता और उत्पादकता को और बढ़ाएगा। ईआरपी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को समय पर (रीयल-टाइम) निर्णय लेने, उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने में मदद करेगी।

रेलटेल को डन एंड ब्रैडस्ट्रीट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया

रेल मंत्रालय, रेल मंत्रालय के तहत एक मिनीरत्न केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम रेलटेल को दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी (केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम) श्रेणी में डन एंड ब्रैडस्ट्रीट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट 180 से अधिक वर्षों से बी2बी डेटा, इनसाइट्स और एनालिटिक्स का अग्रणी वैश्विक प्रोवाइडर है। इस पुरस्कार की घोषणा नई दिल्ली में 'पीएसयू एंड गवर्नमेंट समिट 2022' में की गई। यह पुरस्कार दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रेलटेल के योगदान और सेवा वितरण के उच्च मानक को स्वीकार करते हुए प्रदान किया गया है। इस पुरस्कार के बारे में रेलटेल के प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार ने कहा, "यह तीसरी बार है जब रेलटेल को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने की प्रति हमारी प्रतिबद्धता के बारे में बताता है। इस तरह की मान्यताएं हमें अपने काम में उत्कृष्टता बनाए रखने और मानक सेट पर खरा उतरने के लिए प्रेरित करती हैं।

राजभाषा अधिनियम/नियम के अनुपालन की स्थिति

POSITION OF COMPLIANCE OF OFFICIAL LANGUAGES ACT/RULES

Documents specified in Section 3(3) of the Official Languages Act, 1963

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों की संख्या

1.	सामान्य आदेश	General orders
2.	अधिसूचनाएं	Notifications
3.	प्रेस विज्ञप्तियां/टिप्पणियां	Press Communiques/Releases
4.	संविदाएं	Contracts
5.	करार	Agreement
6.	लाइसेंस	Licenses
7.	परमिट	Permits
8.	निविदा के फार्म और नोटिस	Notice and forms of tenders
9.	संकल्प	Resolutions
10.	नियम	Rules
11.	संसद के एक सदन में या दोनों सदनों में प्रस्तुत सरकारी कागज-पत्र (रिपोर्टों के अलावा)	Official papers laid before a House or both the Houses of Parliament (other than Reports)
12.	संसद के एक सदन में या दोनों सदनों में प्रस्तुत प्रशासनिक और अन्य रिपोर्ट	Administrative and other Reports laid before a House or both the Houses of Parliament
13.	प्रशासनिक या अन्य रिपोर्टें जो अपने से उच्चतर कार्यालयों को भेजी गई	Administrative or other Reports sent to higher offices

1.2 यदि इस संबंध में नियमों का उल्लंघन किया गया है, तो उन अधिकारियों के नाम, पदनाम आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए जिन्हें इस उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। (राजभाषा नियमावली, 1976 के नियम 6 के अनुसार, ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे यह सुनिश्चित करें कि ऐसे दस्तावेज हिंदी और अंग्रेजी दोनों में तैयार, निष्पादित और जारी किए गए हैं)।

If the Rules have been violated in this connection, the names, designation etc. of those officers should be mentioned who were held responsible for this violation. (As per Rule 6 of the Official Language Rules, 1976, it shall be the responsibility of the persons signing such documents to ensure that such documents are prepared, executed and issued both in Hindi and in English).

राजभाषा नियम 1976

राजभाषा नियम 12

अनुपालन का उत्तरदायित्व

1. केन्द्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह—
   i. यह सुनिश्चित करे कि अधिनियम और इन नियमों के उपबंधों और उपनियम (2) के अधीन जारी किए गए निदेशों का समुचित रूप से अनुपालन हो रहा है; और
   ii. इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त और प्रभावकारी जांच के लिए उपाय करें।
2. केन्द्रीय सरकार अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के सम्यक अनुपालन के लिए अपने कर्मचारियों और कार्यालयों को समय-समय पर आवश्यक निदेश जारी कर सकती है।

Responsibility for compliance

1. It shall be the responsibility of the administrative head of each Central Government office—
   i. to ensure that the provisions of the Act and these rules and directions issued under Rule (2) are properly complied with; and
   ii. to devise suitable and effective check-point for this purpose.
2. The Central Government may from time to time issue such directions to its employees and offices as may be necessary for the due compliance of the provisions of the Act and these rules.

राजभाषा नियम 10(4)

केन्द्रीय सरकार के जिन कार्यालयों में कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है उन कार्यालयों के नाम राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे;

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार की राय है कि किसी अधिसूचित कार्यालय में काम करने वाले और हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत किसी तारीख में से उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रतिशत से कम हो गया है, तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा घोषित कर सकती है कि उक्त कार्यालय उस तारीख से अधिसूचित कार्यालय नहीं रह जाएगा।

The names of the Central Government offices, the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi, shall be notified in the Official Gazette;

Provided that the Central Government may if it is of opinion that the percentage of the staff working in a notified office and having a working knowledge of Hindi has gone below the percentage specified in sub-rule (2) from any date, it may, by notification in the Official Gazette, declare that the said office shall cease to be a notified office from that date.

राजभाषा पखवाड़ा-2022 के दौरान रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित राजभाषा प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों की सूची

हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन तिथि 19.09.2022

क्रसं.	नाम सर्वश्री/सुश्री	पदनाम	स्थान
1.	रितिका रावत	निजी सहायक	प्रथम
2.	काशिका जोमिपानी	तकनीकी अभियन्ता	द्वितीय
3.	गंगाराम	वरिष्ठम प्रबंधक/वित्त	तृतीय
4.	भावना ध्यानी	प्रशिक्षु	प्रेरणा
5.	शैली गोयल	तकनीकी कार्यकारी (गुरूग्राम)	प्रेरणा

हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन तिथि 21.09.2022

क्रसं.	नाम सर्वश्री/सुश्री	पदनाम	स्थान
1.	विक्रम सिंह	निजी सहायक	प्रथम
2.	रिची गुप्ता	कार्यालय कार्यकारी/कार्मिक एवं प्रशासन	द्वितीय
3.	सारांश बजाज	वरिष्ठ प्रबंधक/विधि	तृतीय
4.	ज्योति	निजी सचिव	प्रेरणा
5.	सविता	प्रबंधक	प्रेरणा

हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन तिथि-21.09.2022

क्रसं.	नाम सर्वश्री/सुश्री	पदनाम	स्थान
1.	नंदिता दास	प्रशिक्षु	प्रथम
2.	ज्योति	निजी सचिव	द्वितीय
3.	नेहा	कार्यालय कार्यकारी/एनटीपी	तृतीय
4.	विक्रम सिंह	निजी सचिव	प्रेरणा
5	प्रगति	डेटा सेंटर सर्पोट इंजीनियर	प्रेरणा

हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कारर

क्रसं.	नाम सर्व श्री/सुश्री	पदनाम	कार्यालय
1.	श्री संजय कुमार जैन	उप महाप्रबंधक/वित्त	क्षेत्रीय महाप्रबंधक/कोलकाता
2.	श्री रवीन्द्र नाथ दत्ता	वरिष्ठव प्रबंधक/मानव संसाधन	क्षेत्रीय महाप्रबंधक/मुंबई
3.	श्री जे.एस.डेविड प्रभाकर	सहायक महाप्रबंधक	महाप्रबंधक/चेन्नई/दक्षिण क्षेत्र, सिकंदराबाद
4.	श्री देव कुमार	वरिष्ठ प्रबंधक	चंडीगढ टेरिटरी/उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली
5.	श्री कमल किशोर	वरिष्ठ प्रबंधक/विद्युत	कॉर्पोरेट कार्यालय-दिल्ली

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-1), दिल्ली की छमाही बैठक का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली (उपक्रम-1) की छमाही बैठक का आयोजन के दौरान रेलटेल, कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका "रेलटेल प्रगति" को प्रथम पुरस्कार के रूप में शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया और नराकास के तत्वाधान में रेलटेल द्वारा आयोजित हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के लिए आयोजित कार्यालय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया ।

+15 OTTs

@ ₹199*

रेलवायर ब्रॉडबैंड प्रस्तुत करता है एक आकर्षक ऑफर ...!

ओटीटी (OTT) ऐड-ऑन पैक उपलब्ध है
रेलवायर ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर के लिय रु. 199/-* में ।

निकटतम रेलवायर पार्टनर से संपर्क करें।

*शर्तें लागू

रेलवायर से जुड़ें

रेलवायर ब्रॉडबैंड रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड,
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम की एक पहल है ।

1800 1039 139
www.railwire.co.in

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम

मिनी रत्न (श्रेणी-1) सीपीएसई

• आईएसओ • आईईसी • आईएसओ/आईईसी 2001:2018 • आईएसओ/आईईसी 2700:2013 • सीएमएमआई परिपक्वता स्तर -4